हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 17 सितंबर 2025 | अंक 333/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

ट्रैक्टर ट्रॉली टोंस नदी में बहने से 8 की मौत, 4 लापता

देहरादून में बादल फटा, सोंग नदी में 4 लोगों की जान गई

देहरादून.

उत्तराखंड के देहरादून में बीते मंगलवार की सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के कई इलाकों के घरों, दुकानों और मंदिरों में 5-6 फीट तक पानी भर गया। कई सड़कें भी बह गईं। विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज होने से मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग लापता हैं। वहीं, मालदेवता में सोंग नदी में 5 लोग बह गए, जिसमें से 4 के शव मिल गए हैं जबकि एक लापता है। तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी में भी मंगलवार को लैंडस्लाइड से एक मकान ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं मंडी के दरंग में मंगलवार सुबह मंदिर जा रहे दो लोग सुमा खड्ड के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक का शव मिल गया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। धर्मपुर बस स्टैंड पर बारिश के बाद मलबा भर गया। यहां बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया।

> ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पर हुई चर्चा

डेनमार्क के पीएम फ्रेडरिक्सन ने पीएम मोदी से की बात

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन से फोन पर बात की. दोनों नेताओं ने भारत-डेनमार्क ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने का संकल्प लयि. लेकिन बातचीत का फोकस ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन, एनर्जी, वॉटर मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग पर रहा. साथ ही, यूक्रेन संकट, भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और 2026 में भारत में होने वाले एआई समिट पर भी चर्चा हुई. इससे साफ है क एिक नई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की राह खुल रही है. बातचीत के बाद पीएम मोदी ने लिखा, आज डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई. हमने अपनी ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मज़बूत करने और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई.

यूरोपीय यूनियन काउंसलि की अध्यक्षता के लिए डेनमार्क को शुभकामनाएं दी. यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने में हमारी साझा रुचि पर भी चर्चा हुई. भारत और डेनमार्क के बीच ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप की शुरुआत 2020 में हुई थी. इसका मकसद जलवायु परिवर्तन से लड़ने, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में एक-दूसरे का सहयोग करना है.

भारत को क्या फायदा होगा?

❍ डेनमार्क विंड एनर्जी टेक्नोलॉजी में दुनिया का लीडर है. पार्टनरशपि से भारत अपनी ग्रीन एनर्जी कैपेसिटी बढ़ा सकता है, जिससे इंपोर्ट पर निर्भरता घटेगी. डेनमार्क की एक्सपर्टीज वॉटर कंजरवेशन और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में है. भारत में बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए यह सहयोग जल संकट कम करने और टिकाऊ शहर बनाने में मदद करेगा. एफटीए से भारत को यूरोपीय बाजार तक आसान पहुंच मिलेगी. इससे भारतीय कंपनियों के लिए निर्यात बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे. डेनमार्क की आधुनिक तकनीक से भारत में फूड प्रोसेसिंग और एग्रीकल्चर सेक्टर को मजबूती मिलेगी. किसानों को बेहतर दाम और उपभोक्ताओं को क्वालिटी प्रोडक्ट्स मिलेंगे. 2026 का एआई समिट भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने का अवसर देगा. डेनमार्क के सहयोग से भारत की स्टार्टअप इकोसिस्टम और मजबूत होगी.

> पिपराइच थाने की चौकी के सभी पुलिसकर्मी सस्पेंड

गोरखपुर हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

गोरखपुर.

गोकशी करने वालों के द्वारा युवक की हत्या के मामले में अब बड़ी कार्रवाई हुई है. इस घटना में लापरवाही बरतने वाले पिपराइच थाने की स्थानीय चौकी के सभी पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए हैं. एसएसपी गोरखपुर ने जंगल दूषण चौकी में तैनात सभी पुलिस कर्मी सस्पेंड किए हैं. गोरखपुर में गो तस्करों के द्वारा युवक की बेरहमी से की गई हत्या के बाद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश गोरखपुर पहुंचे. एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने गोरखपुर में ऑपरेशन गोकशी की कमान संभाली और एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट के साथ गोरखपुर पुलिस की पांच टीम लगाई गईं. इस घटना को अंजाम देने वाले गोकशी गैंग के बदमाशों की धड़पकड़ तेज हुई.

बता दें कि गोरखपुर में पशु तस्करों के हमले में मारे गए 19 साल के दीपक गुप्ता का अंतिम संस्कार कर दिया गया है. पुलिस का दावा है कि दीपक को गोली नहीं लगी है, बल्कि उसकी मौत सिर पर चोट लगने से हुई है. परिवार पुलिस के दावे को गलत करार देते हुए गोली लगने को बात पर अड़ा है. दीपक गुप्ता के परिवार का दावा है कि पशु तस्करों ने उसे मुंह में गोली मारी है.

दीपक की मां सीमा गुप्ता और चाचा विजेंद्र गुप्ता, पिता दुर्गेश गुप्ता और छोटा भाई प्रिंस गुप्ता ने भी एबीपी से बात की. दीपक की मां का कहना है कि वो प्रशासन की कार्रवाई से बिल्कुल संतुष्ट नहीं हैं, उन्होंने दावा किया कि गोली ना लगने की पुलिस की बात झूठी है. दीपक गुप्ता के चाचा विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि वो कल रात दीपक के साथ थे. दो गाड़ियों से आए पशु तस्करों ने शोर करने पर उनके ऊपर पिस्टल सटा दी. वो भागकर नहर की तरफ चले गए, उनकी एक गाड़ी कीचड़ में फंस गई तो इसके बाद वो दीपक को लेकर दूसरी गाड़ी से भाग गए।. लगभग दो घंटे बाद घटनास्थल से क़रीब 7 किलोमीटर दूर उसका शव बरामद हुआ.

अफसर के घर मिले 2 करोड़ के जेवर: 92 लाख कैश बरामद

> असम सीएम बोले- रिश्वत लेकर हिंदुओं की जमीन संदिग्धों के नाम की

दिसपुर. असम सिविल सेवा की अधिकारी नूपुर बोरा को आय से ज्यादा संपत्ति रखने के आरोप में हिरासत में लिया गया। स्पेशल विजिलेंस टीम ने नूपुर के गुवाहाटी वाले घर पर छापा मारा। जहां से 92 लाख नकद और लगभग 2 करोड़ के जेवर बरामद किए गए। एक दूसरी टीम ने बारपेटा में उनके किराए के घर पर भी छापा मारा, जहां से करीब 10 लाख नकद बरामद हुए। विजिलेंस ने नूपुर के सहयोगी लाट मंडल सुरजीत डेका के घर भी छापा मारा। नूपुर पर आरोप हैं कि उन्होंने बारपेटा रेवेन्यू सर्किल में रहते हुए पैसे के बदले हिंदुओं की जमीन संदिग्ध व्यक्तियों के नाम की थी। फिलहाल नूपुर कामरूप के गोरोइमारी में सर्किल ऑफिसर हैं। सीएम सरमा ने कहा कि विवादित जमीन मामलों में नाम जुड़ने की शिकायतों के बाद पिछले 6 महीनों से उन पर नजर रखी जा रही थी। इसलिए हमने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। असम सिविल सर्विस अधिकारी नूपुर बोरा 2019 में सिविल सेवा में शामिल हुईं। बोरा का जन्म 31 मार्च 1989 को हुआ था। वह कामरूप जिले के गोलाघाट की रहने वाली हैं। वह कामरूप जिले के गोरोइमारी में एक सर्कल ऑफिसर के पद पर तैनात थीं। उन्होंने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी से इंगलिश लिट्रेचर में ग्रेजुएशन किया है और कॉटन कॉलेज से पढ़ाई की है। बोरा 2019 में असम सिविल सेवा में शामिल हुईं और उन्होंने कार्बी आंगलोंग में सहायक आयुक्त के रूप मेंप्रशासनिक करियर शुरू किया। इस पद पर वे मार्च जून 2023 तक रहीं।

30 को मुंबई को अंडरग्राउंड मेट्रो की सौगात देंगे पीएम

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 सितंबर को मुंबईवासियों को बड़ी सौगात देने जा रहे हैं. पीएम मोदी इस दिन मुंबई की अंडरग्राउंड मेट्रो सेवा का उद्घाटन करेंगे. ये मेट्रो सर्विस कफ परेड से शुरू होगी. मेट्रो से जुड़े अधिकारियों के अनुसार इस मेट्रो सर्विस की लाइन 33.5 किमी लंबी होगी. इसमें कुल 27 स्टेशन होंगे जिसमें 26 स्टेशन अंडरग्राउंड होंगी. आरे से वर्ली तक का लगभग 22.5 किमी का हिस्सा पहले से ही शुरू किया जा चुका है. वहीं अब कफ परेड से लेकर वर्ली तक का 11 किमी वाला दूसरा फेज दशहरे से पहले आम लोगों के लिए शुरू कर दिया जाएगा. अंडरग्राउंड मेट्रो के इस फेज के उद्घाटन के बाद कोलाबा से आरे कॉलोनी तक का सफर एक घंटे से कम समय में पूरा किया जा सकेगा. यानि सड़क के 2-3 घंटे का सफर इस मेट्रो से बहुत कम समय में पूरा होगा.

सुप्रीम कोर्ट का धर्मांतरण कानूनों पर 8 राज्यों को नोटिस

> 4 हफ्तों में जवाब मांगा; याचिकाकर्ता बोले- कानून अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को धर्मांतरण से जुड़े कानूनों पर 8 राज्यों को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक के कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच के सामने याचिकाकर्ताओं ने कहा कि भले ही इन कानूनों को फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट कहा जाता है, लेकिन ये अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाते हैं और इंटर रिलिजन मैरिज व धार्मिक रीति-रिवाजों को निशाना बनाते हैं। कोर्ट ने वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह, संजय हेगड़े, एम.आर. शमशाद, संजय परिख समेत अन्य पक्षकारों की दलीलें भी सुनीं और कहा कि मामले की अगली सुनवाई छह हफ्ते बाद होगी।

सीनियर एडवोकेट चंदर उदय सिंह ने दलील दी कि यूपी में 2024 में धर्मांतरण से संबंधित कानून संशोधित कर सजा 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक कर दी गई है। जमानत की शर्तें भी कठोर कर दी गईं और तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज करने का अधिकार दे दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे चर्च की प्रार्थनाओं या इंटरफेथ मैरिज में शामिल लोगों को भी भीड़ और संगठनों की ओर से उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में 31 जनवरी तक निकाय चुनाव कराएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली.

> देरी पर राज्य चुनाव आयोग को फटकार लगाई; 2022 में होने थे इलेक्शन

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र चुनाव आयोग को निकाय चुनावों में 3 साल की देरी होने पर फटकार लगाई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने निर्देश दिया कि राज्य में सभी स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराएं। दरअसल, महाराष्ट्र में 2022 से जिला परिषद, पंचायत समितियां और नगरपालिकाओं के चुनाव ओबीसी आरक्षण विवाद की वजह से नहीं हुए हैं।

इससे पहले भी 6 मई को इसी मामले में कोर्ट ने आयोग को 4 हफ्तों के भीतर चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी करने को कहा था। कोर्ट ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए गंभीर मसला है और अब किसी भी हालत में चुनाव टाले नहीं जा सकते।

चुनाव आयोग ने अदालत में दलील दी थी कि पर्याप्त ईवीएम, परीक्षाओं के कारण स्कूल बिल्डिंग और स्टाफ की कमी की वजह से देरी हो रही है। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मार्च 2026 में बोर्ड परीक्षा होना चुनाव टालने का कारण नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा- चुनाव से जुड़े परिसीमन या आरक्षण पर कई याचिकाएं हाईकोर्ट में हैं। आयोग बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से इन्हें एक साथ जोड़ने का अनुरोध कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी डेडलाइन दी थी

❍ सुप्रीम कोर्ट ने 6 मई 2025 को कहा था कि राज्य चुनाव आयोग चार सप्ताह के भीतर राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। अदालत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र चुनाव आयोग चार महीने के भीतर निकाय चुनाव संपन्न कराने का प्रयास करे। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने आदेश में कहा- हमारे विचार से स्थानीय निकायों के समय-समय पर चुनावों के जरिए लोकतंत्र के संवैधानिक जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए।

मदर डेयरी का टेट्रा पैक दूध 2 रु.सस्ता

> पनीर, मक्खन तक के घटे दाम

नई दिल्ली.

मदर डेयरी ने अपने कंज्यूमर को एक अच्छी खबर दी है. कंपनी ने मंगलवार को कहा कि सरकार द्वारा जीएसटी में बड़े बदलाव के बाद वह अपने डेयरी और फूड प्रोडक्ट्स की कीमतों में कटौती कर रही है. कंपनी ने बताया कि ये कम कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी. यूएचटी मिल्क, पनीर, घी, मक्खन, चीज और मिल्कशेक जैसे प्रमुख डेयरी प्रोडक्ट्स की कीमतों में कमी आई है, जो प्रोडक्ट के आधार पर जीएसटी में 5-18 फीसदी से घटकर 0-5 फीसदी हो गई है. उदाहरण के लिए, 1 लीटर यूएचटी दूध (टेट्रा पैक) अब 77 रुपए से घटकर 75 रुपए का हो गया है, जबकि 500 ग्राम मक्खन 305 रुपए से घटकर 285 रुपए का हो गया है.

इसी तरह, मदर डेयरी की आइसक्रीम और सफल प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स भी काफी सस्ते हो गए हैं. चॉकलेट वनीला कोन और केसर पिस्ता कुल्फी जैसी आइसक्रीम 5-10 रुपए सस्ती हुई हैं, जबकि फ्रोजन फ्रेंच फ्राइज, आलू टिक्की और पैकेज्ड नारियल पानी जैसे सफल प्रोडक्ट्स की कीमतों में 5 रुपए से लेकर 15 रुपए तक की कमी आई है. पाउच दूध – रोज़ाना मिलने वाला पॉली पैक दूध (फुल क्रीम दूध, टोन्ड दूध, गाय का दूध, आदि) – हमेशा से जीएसटी फ्री रहा है और आगे भी रहेगा, और इसके एमआरपी पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा.

22 सितंबर से लागू होंगे नए दाम

मदर डेयरी के एमडी मनीष बंदलिश ने कहा कि डेयरी और प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत रेंज पर जीएसटी में हालिया कटौती एक प्रगतिशील कदम है जिससे कंजंप्शन में वृद्धि होगी और सुरक्षित, हाई क्वालिटी वाले पैकेज्ड प्रोडक्ट्स को अपनाने में तेजी आएगी. उन्होंने कहा कि हम इस सुधार की भावना को ध्यान में रखते हुए, 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी, अपने ग्राहकों को 100 फीरसदी टैक्स बेनिफिट दे रहे हैं.

कुछ दिन पहले, देश के सबसे लोकप्रिय डेयरी ब्रांडों में से एक, अमूल ने स्पष्ट किया था कि 22 सितंबर से पाउच दूध की कीमतों में कोई कमी नहीं होगी क्योंकि इस पर पहले से ही शून्य फीसदी जीएसटी लगता है. अमूल प्रोडक्ट्स का मार्केटिंग करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) के एमडी जयेन मेहता ने कहा था कि ताज़े पाउच दूध की कीमतों में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं है क्योंकि जीएसटी में कोई कमी नहीं की गई है. पाउच दूध पर हमेशा से शून्य फीसदी जीएसटी रहा है. मेहता ने कहा कि नए टैक्स ढांचे के तहत यह राहत केवल यूएचटी दूध पर लागू होगी, जो अब जीएसटी दर 5 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिए जाने के साथ सस्ता हो जाएगा.

जीएसटी 5 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिए जाने के कारण 22 सितंबर से केवल लंबे समय तक चलने वाले यूएचटी दूध की कीमतों में कमी की जाएगी.

फार्मा सीडीएमओ कोटेक हेल्थकेयर ने सेबी को सौंपा आईपीओ

मुबई.

कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड भारत के अनुबंध विकास एवं विनिर्माण संगठन (सीडीएमओ) उद्योग में 24 अलग-अलग किस्मकेफॉर्मूलेशन (स्रोत: एफ एंड एस रिपोर्ट) में क्षमता केसाथ खुराककेरूपों की संख्या के लिहाज़से दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है औरइसने अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है।इसमें 2,950 मिलियन तक के ताज़ानिर्गम (फ्रेशइशू) और 5/- अंकित मूल्य वाले 6,000,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफरफॉरसेल) का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी सीडीएमओ के रूप में काम करती है, जो पेटेंटमुक्त जो ऑफ-पेटेंट दवाओं, जैसे जटिल जेनेरिक दवाओं, का विकास, लोन लाइसेंसिंग और उत्पादन करती है। इसमें संशोधित और निरंतर रिलीज़ जैसे जटिल डिलीवरी फॉर्म शामिल हैं, जो संस्थागत और निजी ग्राहकों के लिए हैं। कंपनी के पोर्टफोलियो में इंजेक्शन, टैबलेट, कैप्सूल, मलहम, आई ड्रॉप, एम्पुल, शीशियां, तरल और सूखे सिरप,और इन्फ्यूज़न सहित कई खुराकवाले उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। कोटेक अपनी समकक्ष कंपनियों में सबसे तेज़ी से वृद्धिदर्जकरने वाली कंपनी है, जिसकी आय मेंवित्त वर्ष 2025 केदौरान2023 की तुलना में 52.72% सीएजीआरकी दरसे वृद्धि दर्ज की गई।यहआंकड़ाहमारे पुनर्कथित समेकित वित्तीय विवरणों पर आधारित है (स्रोत: एफ एंड एस रिपोर्ट)। पिछले कुछ साल में, कंपनी ने उच्च-मूल्य वाले ग्राहकों, विशेष रूप से उच्च-मूल्य वाले उत्पादों सेजुड़े ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित कर अपनी व्यावसायिकरणनीति को नया रूप दिया है। दवा उद्योग में विशिष्ट उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, कंपनी 12,007 मिलियन यूनिट की कुल क्षमता वाली एक नई इकाई स्थापित करना चाहती है, जिसमें एक उच्च क्षमता वाला ओएसडी ब्लॉक, एक समर्पित ऑन्कोलॉजी इकाई, एक व्यापक पेनिसिलिन पोर्टफोलियो (टैबलेट, कैप्सूल, ड्राई सिरप और इंजेक्शन सहित) और एक अतिरिक्त एसवीपी विनिर्माण ब्लॉक शामिल होगा। इस इकाई में एम्पुल, शीशियों, ड्राई पाउडर इंजेक्शन और फॉर्म-फिल-सील (एफएफएस) आई ड्रॉप के लिए स्टेराइल विनिर्माण लाइनें भी होंगी। नए आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग इसपरियोजना की स्थापना से जुड़े आवश्यक पूंजीगत व्यय के लिए किया जाएगा।

एयरटेल की मुहिम से साइबर ठगी में आई बड़ी कमी!

>ग्राहकों को राहत

नई दिल्ली.

भारती एयरटेल ने आज घोषणा की है कि उसके द्वारा शुरू की गई एंटी-फ्रॉड पहलों के चलते साइबर अपराध की शिकायतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इस प्रभाव की पुष्टि हाल ही में गृह मंत्रालय (एमएचए) के भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई 4 सी) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से भी हुई है।

गृह मंत्रालय-आई 4 सी के अनुसार, एयरटेल नेटवर्क पर वित्तीय नुकसान के मूल्य में 68.7% की भारी गिरावट और कुल साइबर अपराध मामलों में 14.3% की कमी दर्ज की गई है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि साइबर अपराधों पर रोक लगाने और ग्राहकों के लिए सुरक्षित नेटवर्क उपलब्ध करानेइस पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक गोपाल विट्ठल ने कहा, "हमारा मिशन अपने ग्राहकों को स्पैम और वित्तीय धोखाधड़ी से पूरी तरह मुक्त करना है। पिछले एक वर्ष में, हमारे एआई-आधारित नेटवर्क सॉल्यूशंस ने 48.3 बिलियन से अधिक स्पैम कॉल्स की पहचान की और 3.2 लाख धोखाधड़ी वाले संदिग्ध लिंक्स को

ब्लॉक किया। हालांकि, हम इसे एक बड़े संघर्ष की दिशा में बढ़ता हुआ एक छोटा सा कदम मानते हैं। जब तक हमारे नेटवर्क डिजिटल स्पैम और स्कैम से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाते, तब तक हम इस क्षेत्र में नवाचार और निवेश करते रहेंगे। उन्होंने कहा, भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) - गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा साझा किया गया यह प्रभाव हमें अत्यधिक प्रोत्साहित करता है और हमारे इस मिशन में किए गए प्रयासों को सही ठहराता है। मैं स्पैम और धोखाधड़ी पर नियंत्रण लगाने के लिए एमएचए-आई4सी और दूरसंचार विभाग (डीओटी) की पहलों की सराहना करता हूँ। हम साइबर अपराध और धोखाधड़ी के ख़तरों को समाप्त करने के उद्देश्य से अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करते रहेंगे।

11 बरस में कितनी बदली देश की इकोनॉमी

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 17 सितंबर 2025 को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे. जब वह पहली बार देश के पीएम बने थे तब उनकी उम्र 64 साल की थी. बीते 11 सालों में उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी बीजेपी को ही न केवल शिखर पर पहुंचाया है बल्कि देश की आर्थिक दिशा और दशा बदल कर रख दी. उनके कार्यकाल में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी वाला देश बन गया है. जीडीपी से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस सेक्टर में देश ने अमूल चूक बढ़ोतरी दर्ज की है आइए हम आपको बताते हैं कि बीते 11 सालों में देश की इकोनॉमी ने कैसे छलांग लगाई है.पीएम मोदी ने जब से सत्ता की बागडोर संभाली है उसके बाद से देश आर्थिक मोर्चे पर लगातार प्रगति कर रहा है. खासतौर पर अगर बीते 5 सालों की बात करें तो इस दौरान पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी की वजह से झेल गई थी. उस दौरान भारत की भी इकोनॉमी को तगड़ा नुकसान हुआ था. लेकिन उसके बाद भी ग्लोबल टेंशन कम नहीं हुई, रूस-यूक्रेन, इजरायल हमास संघर्ष ने मिडिल ईस्ट सहित पूरी दुनिया को झकझोरे रखा. हालांकि, इसके बावजूद पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने अपनी ग्रोथ बनाए रखी. बीती तिमाही यानी 2025 की चौथी तिमाही में देश की जीडीपी रिकॉर्ड तेजी के साथ 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी. जो कि देश की आर्थिक सेहत के लिए बढ़िया खबर है. ट्रंप का चाबुक जब पूरी दुनिया पर चला तो ऐसा लगा की भारत को भी इसकी ताप झेलनी पड़ेगी. मगर चौथी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों ने यह साबित कर दिया कि देश की अर्थव्यवस्था में बड़े से बड़े ग्लोबल टेंशन को पचा लेने की क्षमता है.

सीआरईडी इंडसइंड बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड

मुंबई.

> सभी ई-कॉमर्स पर बिना किसी सीमा के रिवार्ड्स अनुभव

सीआरईडी ने नया क्रेडिट कार्ड प्रोग्राम लॉन्च किया है, जो सभी ई-कॉमर्स खर्चों पर रिवार्ड्स देता है और फ्लाइट्स, होटलों, सैकड़ों मर्चेंट्स और हज़ारों प्रोडक्ट्स पर तुरंत और लचीला रिडेम्पशन उपलब्ध कराता है। इस प्रोग्राम के तहत पहला लॉन्च है. सीआरईडी इंडसइंड बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड। सीआरईडी सदस्य डिजिटल रूप से पूरी तरह जानकार उपभोक्ता हैं, जिनके पास कई क्रेडिट कार्ड होते हैं और जिनकी जीवनशैली ऑनलाइन शॉपिंग पर आधारित है। लेकिन अब तक उन्हें सीमित रिवार्ड विकल्पों और जटिल रिडेम्पशन शर्तों से समझौता करना पड़ता था। पहली बार,सीआरईडी ने ऐसा अनुभव लॉन्च किया है जिसमें ऑनलाइन शॉपिंग पर अधिक रिवार्ड्स मिलते हैं और सीआरईडी इकोसिस्टम पर बिना किसी परेशानी के रिडेम्पशन किया जा सकता है।जहाँ अधिकांश क्रेडिट कार्ड धारक जटिल नियमों के कारण सीमित दुकानों और शर्तों में बंधे रहते हैं, वहीं सीआरईडी इंडसइंड बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड धारक अपनी पसंद से कहीं भी खर्च, अर्जित और रिडीम कर सकते हैं। कार्डधारकों को सभी ई-कॉमर्स लेनदेन पर 5% और ऑफलाइन लेनदेन (सीआरईडी स्कैन एंड पे सहित) पर 1% रिवार्ड पॉइंट्स मिलेंगे। ये पॉइंट्स फ्लाइट्स और होटलों सहित पूरे सीआरईडी इकोसिस्टम पर रिडीम किए जा सकते हैं। ऑनलाइन पर 5% वैल्यू: सभी ऑनलाइन शॉपिंग, सभी मर्चेंट्स पर. ऑफलाइन पर रिवार्ड्स: ऑफलाइन मर्चेंट्स और यूपीआई के ज़रिए सीआरईडी स्कैन एंड पे पर 1% अपने अनुसार रिडेम्पशन: 500 से अधिक सीआरईडी पे मर्चेंट्स, 2,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स सीआरईडी स्टोर पर, फ्लाइट्स और 8,00,000+ होटल्स (एक्सपेडिअ द्वारा) – हर पॉइंट 1 रुपया आसान उपयोग: जहाँ ज़रूरी हो, पॉइंट्स का ऑटोमैटिक प्रयोग आसान जॉइनिंग: शून्य जॉइनिंग शुल्क, सिर्फ 2 मिनट में आवेदन सीआरईडी के संस्थापक कुणाल शाह ने कहा, "क्रेडिट योग्य लोगों को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। नया सीआरईडी क्रेडिट कार्ड प्रोग्राम हर ऑनलाइन खर्च को आत्म-अभिव्यक्ति का साधन बनाता है, जहाँ रिवार्ड्स आपकी पसंद के अनुसार मिलते हैं, न कि शर्तों के अनुसार। तुरंत रिडेम्पशन हर लेनदेन को अपग्रेड कर देता है और प्रोडक्ट, प्लेटफ़ॉर्म और प्रिविलेज को एक सहज जीवनशैली अनुभव में बदल देता है।

मुकेश अंबानी का डबल धमाका

> एक और आईपीओ की तैयारी!

नई दिल्ली.

मुकेश अंबानी अब शेयर बाजार में डबल धमाका करने की तैयारी में है. हाल ही में हुई कंपनी की एजीएम में उन्होंने रिलायंस जियो की आईपीओ लाने का ऐलान किया था. अब खबर आ रही है कि कंपनी साल 2027 में रिलायंस रिटेल का भी इश्यू लाने की तैयारी कर रही है. द हिंदू बिजनेसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस रिटेल की वैल्यू लिस्टिंग के समय करीब 200 अरब डॉलर करीब 16.7 लाख करोड़ रुपये हो सकती है.

रिलायंस ने अपनी एफएमसीजी यूनिट, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को रिलायंस रिटेल में मर्ज कर दिया है, ताकि ऑपरेशंस को और मजबूत किया जा सके. साथ ही, जो स्टोर्स अच्छा परफॉर्म नहीं कर रहे, उन्हें बंद करके कंपनी अपने बिजनेस को और बेहतर करने की कोशिश कर रही है. इस आईपीओ से सिंगापुर की जीआईसी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी,केकेआर, टिपिगी और सिल्वर लेक जैसे बड़े निवेशकों को अपने पैसे निकालने का मौका मिलेगा. रिलायंस रिटेल अपने ब्रैंड्स जैसे रिलायंस स्मार्ट, फ्रेशपिक, रिलायंस डिजिटल, जियोमार्ट, रिलायंस ट्रेंड्स, 7-इलेवन और रिलायंस ज्वेल्स को बनाए रखेगी. कुछ फॉर्मेट्स को एक साथ मिलाने की बात भी चल रही है, लेकिन ये अभी शुरुआती स्टेज में है

जियो की बात करें तो, इसका आईपीओ भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है, जिसकी वैल्यू 13.5 लाख करोड़ रुपये तक हो सकती है. गोल्डमैन सैक्स ने जियो की वैल्यू 154 अरब डॉलर, जेफरीज ने 146 अरब डॉलर, मैक्वेरी ने 123 अरब डॉलर और एमके ने 121 अरब डॉलर आंकी है. लिस्टिंग के बाद जियो की वैल्यू 134-146 अरब डॉलर (11.2-12.19 लाख करोड़ रुपये) के बीच हो सकती है, जिससे ये भारत की टॉप-5 लिस्टेड कंपनियों में शामिल हो जाएगी.

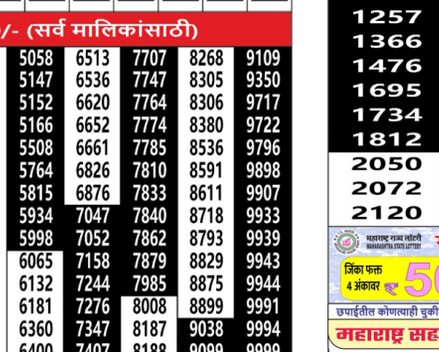

रिलायंस के शेयरों का हाल

करीब 595 अंकों की तेजी के साथ 82,380.69 पर बंद हुआ. इसी क्रम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी रैली देखने को मिली. रिलायंस के शेयर करीब 0.46 फीसदी की तेजी के साथ 1,405.80 रुपये पर बंद हुए. वहीं, बीते 6 महीनों में कंपनी के शेयरों में 13 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है.

सैमसंग का 'गैलेक्सी एम्पावर्ड' प्रोग्राम मुंबई में लॉन्च!

मुंबई.

गैलेक्सी एम्पावर्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और कक्षा में नवाचार को बढ़ावा देता है. प्रतिभागियों को विशिष्ट रूप से तैयार कार्यशालाओं, प्रमाणन, और सैमसंग डिवाइसेस पर विशेष ऑफर्स तक मुफ्त पहुंच मिल ती है. भारत के सबसे बड़े कंज् यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, ने आज अपने गैलेक्सी एम्पावर्ड कार्यक्रम का मुंब चैप्टर लॉन्च किया। इस अनूठे समुदाय-प्रेरित कार्यक्रम का मकसद शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और स्कूल प्रशासक को नए डिजिटल टूल्स और आधुनिक शिक्षण विधियों से प्रशिक्षित करके कक्षाओं में बदलाव लाना है।

नई दिल्ली में इस कार्यक्रम की सफल शुरुआत के बाद, जहां 250 से अधिक स्कूलों में 2,700 से ज्यादा शिक्षक को प्रमाणित किया गया, गैलेक्सी एम्पावर्ड अब मुंबई में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है। मुंबई, भारत का वित्तीय औ शैक्षिक केंद्र है और इस कार्यक्रम की मदद से कंपनी देश के शिक्षा तंत्र पर स्थायी प्रभाव डालना चाहती है। आदित्य बब्बर, वाइस प्रेसिडेंट, एमएक्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, "गैलेक्सी एम्पावर्ड के माध्यम से, हम टीचर्स को एआई और टेक् नोलॉजी को उनकी पढ़ाई में आसानी से शामिल करने, छात्रों की भागीदारी बढ़ाने, और भविष्य के लिए तैयार कक्षाएं बनाने में मदद कर रहे हैं। यह केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। विशाल वी. शर्मा, भारत के राजदूत और यूनेस्को, पेरिस में स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, "शिक्षकों को सशक्त बनाना कक्षाओं को बेहतर बनाने और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए बहुत जरूरी है। सैमसंग का 'गैलेक्सी एम्पावर्ड' कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत की समावेशी, समान और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की प्रतिबद्धता का समर्थन करता है। यह यूनेस्को के शिक्षा 2030 के 4 वैश्विक लक्ष्यों के साथ भी जुड़ा है। भारत में 15 लाख स्कूल, 42,000 कॉलेज, लगभग 1100 विश्वविद्यालय और 1 करोड़ शिक्षक हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक शिक्षा तंत्र बनाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव है।

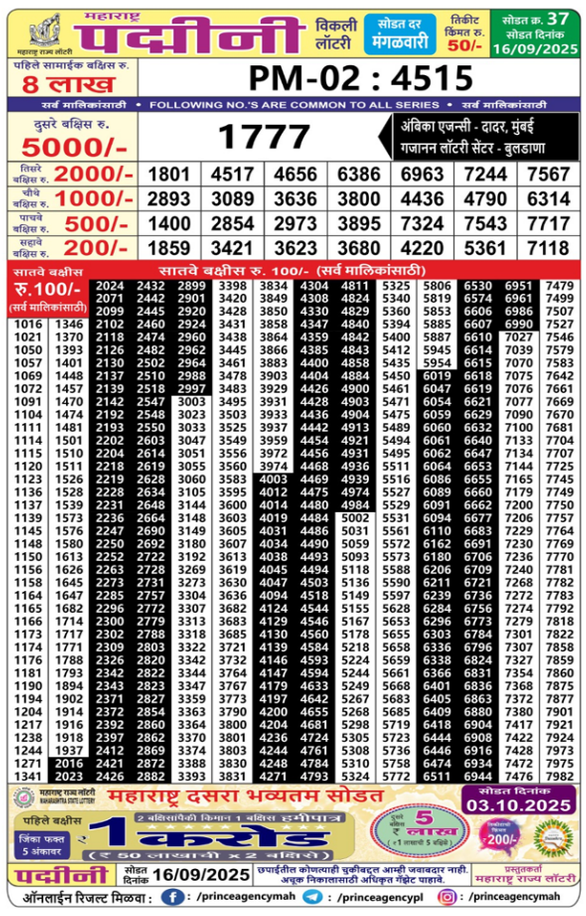

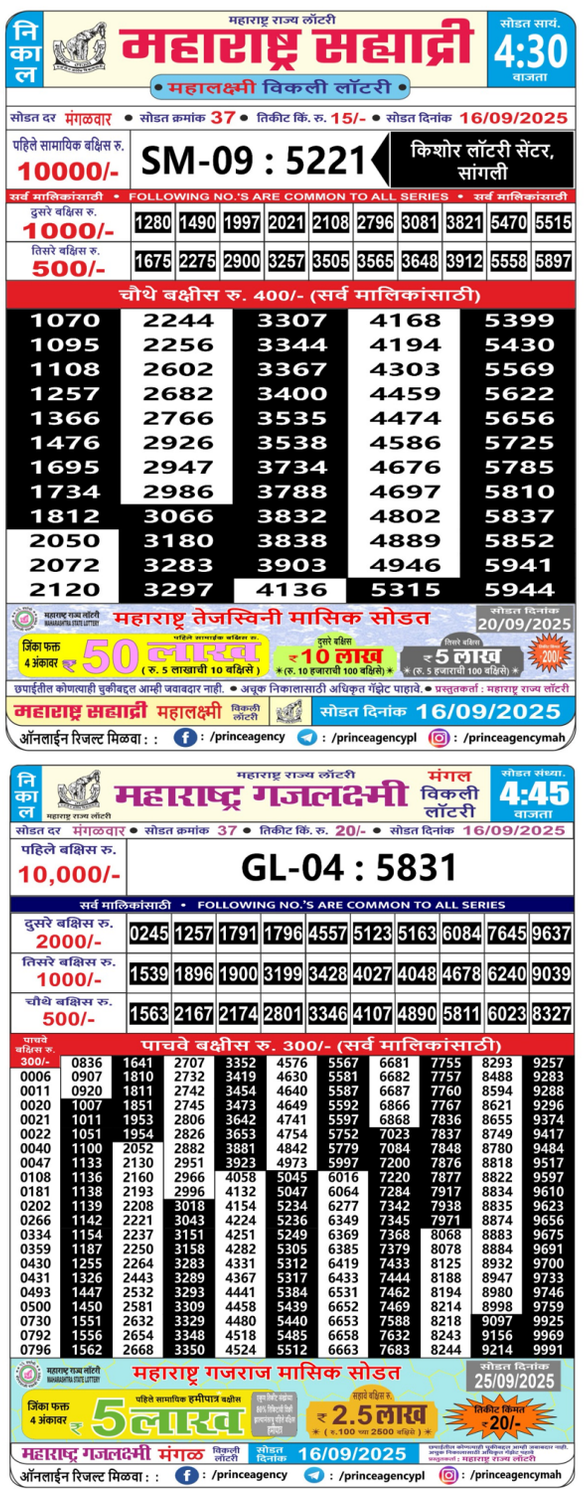

आईटीआर भरने की डेडलाइन सिर्फ 1 दिन बढ़ी

> मौका 31 दिसंबर तक!

नई दिल्ली.

आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर भरने की तारीख को एक बार फिर से बढ़ा दिया है. पहले यह तारीख 31 जुलाई 2025 थी, जिसको बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 किया गया था. मगर अब सीबीडीटी ने इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन को एक दिन के लिए और बढ़ा दिया है. लेकिन क्या आपको पता है कि आप 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स फाइल कर सकते हैं?इनकम टैक्स फाइल करने वाले टैक्सपेयर्स की ओर से लगातार वेबसाइट के स्लो चलने की शिकायतें की जा रही थीं. कई सारी फर्मों में फॉर्म डाउनलोडिंग में दिक्कतों की बात कही थी, जिसको ध्यान में रखते हुए टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर डेडलाइन को 15 सितंबर से बढ़ाकर 16 सितंबर 2025 तक कर दिया है. हालांकि, अगर आप किसी कारणवश 16 तारीख तक भी आईटीआर फाइल नहीं कर पाते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. लेट पेमेंट के साथ 31 दिसंबर 2025 तक आईटीआर फाइल किया जा सकता है.लेट फाइलिंग यानी बिलेटेड रिटर्न वो आयकर रिटर्न होता है जो तय डेट पर या उससे पहले दाखिल नहीं किया गया. आयकर वेबसाइट के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति तय डेट या नोटिस में दी गई डेडलाइन तक रिटर्न फाइल नहीं करता, तो वो असेसमेंट ईयर खत्म होने से 3 महीने पहले या असेसमेंट पूरा होने से पहले, जो भी पहले हो, पिछले साल का रिटर्न दाखिल कर सकता है.

अगर आप तय डेट के बाद रिटर्न फाइल करते हैं, तो सेक्शन 234एफ के तहत लेट फीस देनी पड़ेगी. ज्यादातर करदाताओं के लिए ये फीस 5,000 रुपये है. लेकिन अगर आपकी टोटल इनकम 5 लाख रुपये तक है, तो फीस सिर्फ 1,000 रुपये होगी. अगर धारा 234 एफ के अनुसार, यदि रिटर्न धारा 139(1) के तहत तय तिथि के बाद दाखिल किया जाता है, तो 5,000 रुपये का लेट शुल्क देना होगा. बाकी इनकम ज्यादा होने पर शुल्क जाता लगता ही है.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

फिक्स था भारत-पाक मैच: संजय राउत

मुंबई.

एशिया कप में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच को लेकर शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को इस मैच से 1 हजार करोड़ रुपये मिले. उन्होंने आरोप लगाया कि ये मैच फिक्स था और 1.5 लाख करोड़ रुपये के जुए में से 50,000 करोड़ रुपये सीधे पाकिस्तान को चले गए.

राउत ने सवाल उठाया कि जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को आर्थिक मदद न मिलने की बात करता है तो फिर खुद क्यों उसे फायदा पहुंचा रहा है. संजय राउत ने कहा कि आपने आईएमएफ और एशियाई विकास बैंक से पाकिस्तान को कर्ज न देने के लिए कहा क्योंकि वो इस धन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए करेगा.

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय शाह पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि कल तो मोदी जी ने पैसा दिया पाकिस्तान को, अमित शाह के बेटे ने पाकिस्तान को पैसा दिया. राउत का दावा है कि सरकार ने रणनीति के तहत पाकिस्तान को आर्थिक मदद पहुंचाई ताकि वहां की आतंकवादी गतिविधियां मजबूत हों और फिर इसका राजनीतिक फायदा उठाया जा सके. शिवसेना यूबीटी से राज्यसभा सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी पाक से मैच खेले जाने पर भड़के हुए हुए हैं. उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाने पर पान नहीं धुल जाएंगे. हमने देखा है कि पाकिस्तान के अधिकारियों से हाथ मिलाया गया था. उन्होंने सारी बात पैसों की थी. अगर पैसा जाता तो जाता. उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने जो गंदगी खाई है उसी बदबू आज उनके मुंह से आ रही है.

राउत ने सरकार पर लगाया आरोप

• शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि यह मैच होना ही सरकार की निर्लज्जता है, चाहे वह दुबई, अबू धाबी या ट्रंप के मैदान में भी खेला गया हो. उन्होंने सवाल किया कि क्या इस मैच से महिलाओं का सिंदूर वापस आ सकता है? राउत ने पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर की सराहना की कि उन्होंने मैच का विरोध करने की बात कही थी, लेकिन भारत सरकार ने खुद परमिशन दी. राउत के मुताबिक, यह साफ करता है कि पाकिस्तान से मैच खेलने का फैसला सरकार की इच्छा से ही हुआ.

बदला गया अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम

अहमदनगर.

अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदल दिया गया है. लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के सम्मान में अब यह उनके नाम पर 'अहिल्यानगर' के नाम से जाना जाएगा. हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नाम बदलने के फैसले को मंजूरी दी थी.

इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने की अधिसूचना जारी की थी. मध्य रेलवे ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''पहले अहमदनगर के नाम से जाना जाने वाला स्टेशन अब आधिकारिक तौर पर अहिल्यानगर नाम से जाना जाएगा. रेलवे ने कहा, ''स्टेशन कोड में कोई परिवर्तन नहीं होगा और अहिल्यानगर का स्टेशन कोड एएनजी ही बना रहेगा.' पिछले महीने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि स्टेशन का नाम बदलकर शहर के नए नाम के अनुरूप कर दिया जाए. शहर का नाम अहिल्यानगर रखे जाने के बाद कई संगठन और नागरिक मांग कर रहे थे कि रेलवे स्टेशन का नाम बदला जाए.

4 अक्टूबर 2024 को अहमदनगर शहर का नाम अहिल्यानगर करने का आदेश दिया गया था. सरकारी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, मजलक अहमद की स्थापना 1494 ईस्वी में हुई थी और निजामशाह की राजधानी शहर को उनके नाम से अहिल्या नगर शहर के रूप में जाना जाने लगा. चूंकि अहिल्या नगर शहर का मुख्यालय जिले में था, इसलिए अहमदनगर (अहिल्या नगर) को जिले का नाम दिया गया.

पेशवा के अंत के बाद, 1822 में अहिल्या नगर जिले का गठन किया गया था. उस समय अहिल्या नगर जिले की सीमा वर्तमान नासिक जिले में वानी से और करमाला में सोलापुर जिले के दूसरे छोर तक थी. 1869 में नासिक और सोलापुर जिलों के गठन के कारण, वानी और करमाला को अहिल्या नगर जिले से बाहर कर दिया गया था. पुणे राजस्व प्रभाग के अहिल्या नगर जिले को फरवरी 1981 से नए राजस्व विभाग नासिक में शामिल किया गया था.

पत्नी ने साथियों के साथ मिलकर पति को ही ठगा

मुंबई. मुंबई में एक महिला ने कर्ज दिलाने के बहाने अपने पति के साथ 1.73 करोड़ की ठगी कर ली। इतना ही नहीं कथित तौर पर पत्नी ने फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी है। काफी समय तक अंदर ही अंदर घुटने के बाद पति ने हिम्मत करके भांडुप थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई, जिसके बाद यह मामला सामने आया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर आरोपी पत्नी पूनम रोडे और उसके साथियों सचिन येलावी, सुहास पवार और किशोर पवार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी पूनम ने कथित तौर पर अपने पति (फरियादी) विशाल अशोक रोडे से सात साल के समय में 1.73 करोड़ रुपए की ठगी की है। इसमें, सबसे पहले पूनम ने 2019 में अपने पति को कर्ज दिलवाने के नाम पर अपने दोस्त येलावी और सुहास पवार से मिलवाया।

पूनम ने विशाल को भरोसा दिलाया कि यह लोग उसकी आर्थिक तौर पर मदद कर सकते हैं। पत्नी के भरोसे में आकर विशाल ने लोन निकलवाने के लिए इन लोगों को प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 6.92 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। हालांकि इसके बाद भी उसे कोई पैसा नहीं मिला।

भारतीय खिलाड़ियों के पक्ष में उतरीं प्रणीति शिंदे!

सोलापुर.

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए एशिया कप में हुए मैच ने सियासी पारा चढ़ा दिया है. भारत भले ही जीत गया हो लेकिन इस पर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है. विपक्षी दल इस मैच को लेकर सरकार, आईसीसी और बीसीसीआई पर हमला करना का कोई मौका नहीं छोड़ रही.

मैच खत्म होने के बाद 'नौ हैंडशेक' विवाद ने जन्म ले लिया. इन सबके बीच कांग्रेस की सांसद प्रणीति शिंदे ने अपनी प्रतिक्रिया दी.

सोलापुर से लोकसभा सांसद प्रणीति शिंदे ने भारत द्वारा पाकिस्तान के क्रिकेटर्स से हाथ न मिलाने पर कहा कि ये मैच तो होना ही नहीं चाहिए था. उन्होंने भारतीय क्रिकेटर्स का बचाव करते हुए कहा कि बीसीसीआई का प्रेशर होता है. कांग्रेस सांसद ने कहा कि बीसीसीआई हाथ न मिलाने के लिए दबाव बनाती है. हमारे खिलाड़ियों के ऊपर बीसीसीआई द्वारा बहुत प्रेशर लाया गया. प्रणीति शिंदे ने कहा, "एक तरफ ऑपरेशन सिंदूर जारी है, दूसरी तरफ हम इनके साथ क्रिकेट खेल रहे हैं क्योंकि कुछ लोगों को इससे बहुत ज्यादा पैसा मिल रहा है. आज हमारी आर्म्स फोर्सेज का मनोबल गिरा है कि बॉर्डर पर वो लड़ रहे हैं पाकिस्तान से और यहां पर पैसों के लिए मिलीभगत हो रही है. बीसीसीआई पूरी तरह से कॉमर्शियल हो गया है.

जो खिलाड़ी भारत को सामने रखते हुए खेलते हैं, उनके ऊपर प्रेशर है. पहले मैच खेलते हैं, पैसा बनाते हैं फिर कहते हैं हैंडशेक मत करो. तो फिर आपने मैच फाइनल क्यों की? आपने भारत और पाकिस्तान के बीच मैच क्यों लगवाई? बता दें कि कांग्रेस की सहयोगी पार्टी शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर ही निशाना साध दिया था. उन्होंने कहा कि अगर सूर्यकुमार यादव को खेलना था तो खेलें नहीं तो बाहर निकलें. इसके साथ ही कांग्रेस सांसद ने कहा कि हम चाह रहे थे कि ये मैच न हो. बिल्कुल बायकॉट होना चाहिए लेकिन 'हाथी के दांत दिखाने के कुछ और, खाने के कुछ और' है.

पद हो या न हो, कर्मियों को करना होगा परमानेंट, हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने हालिया एक फैसले में कहा है कि अगर किसी नियोक्ता ने किसी कर्मचारी से लंबे समय तक सेवा ली है और पद स्वीकृत नहीं होने की वजह से उसकी नौकरी परमानेंट नहीं की जा रही है तो यह नहीं चलेगा बल्कि उसे हर हाल में स्थायी करना ही होगा।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा कि निरंतर सेवा की अपेक्षित अवधि पूरी कर चुके कर्मचारियों को केवल इस आधार पर स्थायी दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं हैं। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने जोर देकर कहा कि अगर इस तरह से इनकार किया जाता है तो यह कर्मचारियों के निरंतर शोषण के समान होगा, जो कल्याणकारी कानूनों और सामाजिक न्याय के प्रावधानों के खिलाफ है।

जस्टिस मिलिंद एन. जाधव ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में कार्यरत 22 वन मजदूरों की रिट याचिका पर यह फैसला सुनाया है। ये मजदूर 2003 से ही संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवों की सेवा में चौकीदार, माली, रसोइया और पिंजरों की देखभाल जैसे पदों पर काम कर रहे थे।

उनकी ड्यूटी जोखिम भरी थी क्योंकि उनके कामों में बाघों, शेरों और तेंदुओं को खाना खिलाना, दवाइयाँ देना, पिंजरों की सफाई करनी और उद्यान में गश्त और आग पर नियंत्रण जैसे उच्च जोखिम वाले कार्य शामिल थे। हालांकि, ये लोग पिछले 22 साल से वहां काम कर रहे थे बावजूद इसके औद्योगिक न्यायालय ने उनकी स्थायी नौकरी के दावे को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वहां कोई स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं है। इस कोर्ट के फैसले के खिलाफ ये लोग हाई कोर्ट पहुंचे थे। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि उन्होंने वन विभाग द्वारा बनाए गए उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हाजिरी के अनुसार, लगातार पाँच वर्षों तक हरेक कैलेंडर वर्ष में 240 दिनों की सेवा पूरी की है।

आज का राशिफल

मेष – मेष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप अपने करियर को लेकर नए से जोश और उत्साह का अनुभव करेंगे।

वृषभ – वृषभ राशि वालों को आज अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। रिलेशिनशिप में गलतफहमियां पैदा न होने दें।

मिथुन – मिथुन राशि वालों के करियर में कुछ अनिश्चित बदलाव हो सकते हैं। जो आपके लिए कुछ रोमांचक और नए अवसर लेकर आ सकता है।

कर्क– कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा कहा जा सकता है। जीवन में चली आ रही परेशानियां दूर होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह – सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। आपके ऊपर अधिक जिम्मेदारियां आ सकती हैं या आप एक नए करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या – कन्या राशि वालों के दिन अच्छा रहेगा। करियर में तरक्की के कई मौके मिलेंगे। दूसरों के साथ मिलकर काम करने से आप अधिक सफलता हासिल कर सकते हैं।

तुला – तुला राशि वाले आज अधिक मेहनत करेंगे। मेहनत का फल जरूर मिलेगा। आप अपने करियर को लेकर अधिक महत्वाकांक्षी महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक– आपके लिए यह दिन बड़े बदलावों वाला हो सकता है। रिस्क ले सकते हैं। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साहसिक कदम उठाएं।

धनु – आज का दिन धनु राशि वालों के लिए शुभ रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में सफलता मिलेगी। करियर को आगे बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे।

मकर – मकर राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। इस समय निवेश न करें।

कुंभ – कुंभ राशि वालों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता होगी। कम्युनिकेशन स्किल्स का फायदा उठाएं। अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करें।

मीन – आपके जीवन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। यह दिन आपके लिए काफी रोमांचक हो सकता है। यह दिन नर्वस करने वाला भी हो सकता है।

हर किसी को नहीं अपील का अधिकार

मालेगांव. बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बरी किए जाने के आदेश के खिलाफ यहां हर कोई अपील दाखिल नहीं कर सकता। साथ ही उच्च न्यायालय ने इस बात का ब्योरा मांगा कि क्या पीड़ितों के परिवार के सदस्यों से मुकदमे में गवाह के तौर पर पूछताछ की गई थी। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ विस्फोट में जान गंवाने वाले 6 लोगों के परिजनों की ओर से बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। अपील में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित मामले के 7 आरोपियों को बरी करने के विशेष अदालत के फैसले को चुनौती दी गई है। मंगलवार को उच्च न्यायालय की पीठ ने जानना चाहा कि क्या परिवार के सदस्यों से मुकदमे में गवाह के रूप में पूछताछ की गई थी। परिवार के सदस्यों के वकील ने पीठ को बताया कि प्रथम अपीलकर्ता निसार अहमद, जिनके बेटे की विस्फोट में मौत हो गई थी, मुकदमे में गवाह नहीं थे। वकील ने कहा कि वह बुधवार को ब्योरा पेश करेंगे।

भारी बारिश से रुकी मुंबई की रफ़्तार

मुंबई.

मुंबई में भारी बारिश के बीच मोनो रेल अचानक रुक गई। तकनीकी खराबी की वजह से मोनो रेल रास्ते में ही एंटॉप हिल के पास रुक गई। इसके बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग की टीम को सूचना दी गई। इसके बाद कम से कम 17 यात्रियों को बाहर निकाला गया और उन्हें दूसरी मोनो रेल में बैठाया गया। बता दें कि एक महीने के अंदर यह दूसरी घटना है जब मोनो रेल ने रास्ते में ही जवाब दे दिया। जानकारी के मुताबिक निकाले गए यात्रियों को चेंबूर की ओर से आ रही मोनो रेल में बैठा दिया गया। मोनो रेल कॉर्पोरेशन का कहना है कि बिजली सप्लाई में समस्या की वजह से दिक्कत हुई थी।

हालांकि कारणों की जांच की जा रही है। वहीं लोगों का कहना है कि मोनो रेल में इस तरह की समस्या बार-बार हो रही है। ऐसे में इसके स्थायी समाधान की जरूरत है। इससे पहले 27 अगस्त को मोनो रेल में खराबी की वजह से सैकड़ों यात्री फंस गए थे। इसके बाद मामले में चूक के आरोप में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था। मैसूर कॉलोनी और भक्ति पार्क के बीच फंसी एक मोनोरेल से 'स्नोर्केल' सीढ़ी लगाकर 582 यात्रियों को बचाया गया था। वहीं, एक अन्य मोनोरेल को सफलतापूर्वक वापस खींचकर वडाला स्टेशन ले जाने के बाद 200 यात्रियों को निकाला गया था। अगस्त में भी एक बार यात्रियों की संख्या ज्यादा होने की वजह से मोनो रेल को रोक दिया गया था। बाद में बताया गया कि यह किसी खराबी की वजह से नहीं बल्कि लोड ज्यादा होने की वजह से किया गया। इससे पहले भी एक बार ऐसा हुआ था कि एलिवेटेड ट्रैक पर दो मोनो रेल को रोकना पड़ा और फिर यात्रियों को निकालने के लिए दमकल की गाड़ियां बुलवानी पड़ीं।

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

सुविचार

अन्न के कण और आनंद के क्षण कभी व्यर्थ न जाने दें दोनो अमूल्य हैं.

संपादकीय

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विशेष आलेख)

नरेंद्र मोदी: गरीब और ग्रामीण भारत की आशाओं के संवाहक

लेखक चन्दन गोस्वामी, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता

भारत की राजनीति केवल सत्ता परिवर्तन की शैली में आमूलचूल माना जाता है। गुजरात परिवार से निकलकर पहुंचे नरेंद्र मोदी जी में नरेंद्र मोदी का उदय नहीं, बल्कि शासन बदलाव का प्रतीक के वडनगर के साधारण प्रधानमंत्री पद तक का सबसे बड़ा परिचय यही है कि उन्होंने स्वयं गरीबी का जीवन जिया है और इसलिए गरीबों की पीड़ा को समझते हैं। यही कारण है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता रही गरीब, वंचित और ग्रामीण भारत। पिछले एक दशक में उनकी सरकार ने जो योजनाए शुरू कीं, उनका प्रभाव सीधे करोड़ों लोगों के जीवन स्तर पर दिखाई देता है।

आइए देखें, किस तरह इन योजनाओं ने ग्रामीण भारत में विकास का नया इतिहास रचा। 2014 में जब प्रधानमंत्री जन धन योजना शुरू हुई, तो किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यह विश्व का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन अभियान बन जाएगा। अब तक 50 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से बड़ी संख्या ग्रामीण गरीबों की है। सब्सिडी और सरकारी मदद सीधे खाते में पहुंचने से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और पारदर्शिता बढ़ी। 2016 में शुरू हुई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को चूल्हे के धुए से मुक्ति दिलाई। अब तक 9.5 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए जा चुके हैं। ग्रामीण परिवारों में स्वास्थ्य सुधार के साथ-साथ महिलाओं का समय भी बचा, जिसे वे शिक्षा और अन्य कामों में लगा पा रही हैं। 2022 तक सबके प्रधान मंत्री आवास योजना हर गरीब के सर पर छत का सपना लेकर शुरू हुई । इस योजना से अब तक 3.5 करोड़ से अधिक पक्के घर ग्रामीण गरीबों को मिल चुके हैं। इन घरों में शौचालय, बिजली और स्वच्छ जल की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यह केवल आवास नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक बन गया है। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर स्वच्छ भारत का लक्ष्य रखा गया और करोड़ों शौचालयों का निर्माण हुआ। 2014 में जहा ग्रामीण भारत में खुले में शौच की दर 60% से अधिक थी,

वहीं आज लगभग हर गांव को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया जा चुका है। इससे ग्रामीण स्वास्थ्य और महिलाओं की गरिमा दोनों सुरक्षित हुई। 2019 में शुरू हुई किसान सम्मान निधि योजना के तहत 12 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को सालाना 6,000 रुपये की आय सहायता मिल रही है। सीधी राशि मिलने से छोटे और सीमांत किसानों को खेती के खर्चों में मदद मिली और उनकी आय में स्थिरता आई। कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू गरीब कल्याण अन्न योजना ने करोड़ों गरीबों को मुफ्त राशन दिया। अब तक 80 करोड़ लाभार्थियों को इसका लाभ मिल चुका है। यह योजना आज भी जारी है और गरीबों के लिए जीवनरेखा बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए आयुष्मान भारत योजना क्रांतिकारी साबित हुई। अब तक 6 करोड़ से अधिक उपचार इस योजना के तहत मुफ्त हुए हैं। ग्रामीण गरीबों को बड़े अस्पतालों में इलाज का अवसर मिला और स्वास्थ्य खर्च का बोझ घटा। 2017 में शुरू हुई सौभाग्य योजना के तहत हर घर तक बिजली पहुंचाई गई। वहीं, उजाला योजना में 37 करोड़ से अधिक एलईडी बल्ब वितरित किए गए, जिससे गरीब परिवारों की बिजली बिल में बड़ी बचत हुई। 2019 में शुरू हुए जल जीवन मिशन ने ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी आसान की। अब तक 15 करोड़ से अधिक घरों तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंच चुका है। इससे न केवल स्वास्थ्य लाभ हुआ बल्कि महिलाओं को दूर से पानी ढोने की मजबूरी से राहत मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी ने ई-गवर्नेंस, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाखों युवाओं को प्रशिक्षण मिला और मुद्रा योजना ने करोड़ों युवाओं को बिना गारंटी ऋण देकर स्वरोजगार का रास्ता खोला। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में बदलाव का आंदोलन है। ग्रामीण भारत में बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देने से लिंगानुपात सुधर रहा है और बेटियों को समाज में सम्मान मिल रहा है।

मुस्लिम सैनिक: भारत माता के वीर प्रहरी

अंशा वारसी
फ्रांस्कोफ़ोन और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया

जब भारत के पहाड़ों, रेगिस्तानों और समुद्रों में कर्तव्य की पुकार गूंजती है, तो उसका उत्तर उन सैनिकों द्वारा दिया जाता है जो किसी धर्म की नहीं, बल्कि राष्ट्र की वर्दी पहनते हैं। फिर भी, मुस्लिम सैनिकों की बहादुरी को हमारे इतिहास के पन्नों में बार-बार याद किया गया है और संजोया गया है। स्वतंत्रता संग्राम के युद्धक्षेत्रों से लेकर आज की सीमा चौकियों तक, मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं ने तिरंगा हमेशा ऊँचा रहे, इसके लिए संघर्ष किया, खून बहाया और शहादत को गले लगाया। उनका साहस, निष्ठा और बलिदान इस निर्विवाद सत्य का प्रमाण है कि देशभक्ति का कोई धर्म नहीं होता, उसका एक ही बंधन होता है- मातृभूमि के प्रति प्रेम। आज, जब एकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, उनकी कहानियों को उस सम्मान और गरिमा के साथ सुनाया जाना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। भारतीय सशस्त्र बलों में मुस्लिम सैनिकों की सेवाए स्वतंत्रता से पहले की हैं।

उपमहाद्वीप की संयुक्त सेना के हजारों मुस्लिम सैनिकों ने दोनों विश्व युद्धों में ब्रिटिश ध्वज के नीचे सेवा की, लेकिन एक स्वतंत्र भारत का सपना उनके दिलों में जलता रहा। बाद में, उनमें से कई राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए और अपने सैन्य अनुभव का उपयोग स्वतंत्रता संग्राम को मज़बूत करने के लिए किया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आज़ाद हिंद फ़ौज में सेवा देने वाले सूबेदार मेजर और मानद कैप्टन शाहनवाज़ खान जैसे दिग्गज इस बात के प्रमाण हैं कि सैन्य अनुशासन और देशभक्ति को क्रांतिकारी उत्साह के साथ जोड़ा जा सकता है। आज़ादी के बाद भी, मुस्लिम सैनिक भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहे। 1947-48, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्धों में उनकी वीरता भारत के सैन्य इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनमें से सबसे यादगार हैं दिल्ली के एक युवा अधिकारी कैप्टन हनीफुद्दीन, जिन्होंने कारगिल में ऑपरेशन विजय के दौरान बहादुरी से लड़ाई लड़ी। वह खतरनाक तोलोलिंग चोटी पर तैनात थे, जहा उन्होंने लगातार दुश्मन की गोलाबारी के बावजूद अपने सैनिकों का अद्वितीय साहस के साथ नेतृत्व किया। उनका महान बलिदान एकता का प्रतीक बन गया, क्योंकि यह सर्वविदित है कि उन्होंने विभिन्न धर्मों के सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी - सभी एक ही उद्देश्य के लिए, भारत माता की रक्षा के लिए। एक अन्य प्रमुख व्यक्ति लेफ्टिनेंट जनरल जमील महमूद हैं, जिन्होंने उप-सेना प्रमुख के रूप में कार्य किया। अपनी सैन्य कुशलता और नेतृत्व क्षमता से, उन्होंने बीसवीं सदी के उत्तरार्ध में भारत की रक्षा क्षमता को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वायु सेना में भी मुस्लिम नायकों की एक विशिष्ट सूची है - विंग कमांडर मुहम्मद मजीदुद्दीन, जिन्हें कई युद्ध अभियानों में उनकी सेवाओं के लिए याद किया जाता है। इसी प्रकार, नौसेना अधिकारियों में, वाइस एडमिरल हाजी मुहम्मद सिद्दीकी ने भारत की समुद्री सीमाओं की रक्षा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनकी सेवाए युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। मुस्लिम सैनिकों ने आपदा राहत अभियानों, संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत शांति अभियानों और भारत के भीतर आतंकवाद-रोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अशांत क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति अक्सर सांस्कृतिक दूरियों को पाटने में मदद करती है, जहा वे लोगों का विश्वास जीतते हैं और गणतंत्र के रक्षक की भूमिका निभाते हैं। उनकी बहादुरी को परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र जैसे उच्च पुरस्कारों से मान्यता मिली है, जो मुस्लिम अधिकारियों और जवानों को प्रदान किए गए हैं। लेकिन पदकों और प्रमाणपत्रों से परे एक गहरी सच्चाई है: ये सैनिक अपनी सेवा को पहचान का बलिदान नहीं, बल्कि उसकी पूर्णता मानते हैं।

उनके लिए, भारत की रक्षा करना न केवल उनके राष्ट्र का कर्तव्य है, बल्कि उनकी आस्था का भी एक अनिवार्य अंग है। सशस्त्र बलों में धर्म व्यक्तिगत पूजा का विषय है, सार्वजनिक विभाजन का नहीं। रेजिमेंटल रसोई में सभी के लिए भोजन तैयार किया जाता है, हर धर्म की पूजा का सम्मान किया जाता है, और अग्रिम पंक्ति में भाईचारा पनपता है, जहा कोई 'हिंदू' या 'मुसलमान' नहीं होता, केवल सशस्त्र भाई होते हैं। यह भावना शायद उन सभी के लिए सबसे कड़ा जवाब है जिन्होंने कभी भारतीय मुसलमानों की देशभक्ति पर संदेह किया है। कारगिल की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर राजस्थान के तपते रेगिस्तानों तक, नौसेना द्वारा संरक्षित बर्फीले पानी से लेकर वायु सेना द्वारा संरक्षित विशाल आकाश तक, मुस्लिम सैनिक भारत के अडिग रक्षक के रूप में खड़े रहे हैं।

उन्होंने अपनी देशभक्ति भाषणों में नहीं, बल्कि अपने खून में लिखी है, और अक्सर इसकी अंतिम कीमत चुकाई है ताकि हम बाकी लोग चैन की नींद सो सकें। उन्हें याद करना न केवल उनके साहस के प्रति श्रद्धांजलि है, बल्कि इस तथ्य की पुनः पुष्टि भी है कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में निहित है। जिस तिरंगे को वे सलामी देते हैं, वह सैनिक से उसका धर्म नहीं पूछता, बल्कि उसकी वफ़ादारी की मांग करता है। और इस आह्वान का उत्तर देने में, मुस्लिम सैनिक कभी पीछे नहीं हटे। उनकी कहानियां केवल बहादुरी की कहानिया नहीं हैं, बल्कि आस्था और स्वतंत्रता, पहचान और राष्ट्रीयता के अटूट बंधन का प्रमाण हैं। उनकी दृढ़ निगरानी में, भारत का विचार सदैव सुरक्षित है।

लघुकथा

रमेश लांजेवार

शब्दों का तोहफा

वह विवाह के उपरांत होनेवाले रिसेप्शन की एक बड़ी पार्टी थी। शहर के कई गणमान्य लोग पार्टी में शिरकत कर रहे थे। उनके कपड़े भड़कीले और लकदक थे। उनके हाथ में महंगे-महंगे गिफ्ट चमक रहे थे। उनके चेहरों पर गर्व की आभा बिखर रही थी। मगर वह गरीब था। उसके कपड़े साधारण थे। कोई गिफ्ट मोल लेना तो उसके बस में ही नहीं था।

वह खाली हाथ आया था और शर्म से गड़ा जा रहा था। वह पार्टी में आना नहीं चाहता था। मगर उसके मित्र ने उसे आने का पुरजोर आग्रह किया था।

समय पर पार्टी शुरू हो गई। स्टेज पर दुल्हा और दुल्हन आकर विराजमान हो गए। रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित और रोशनी में नहाए स्टेज की गरिमा जोड़ी के आते ही कई गुना बढ़ गई। सभी स्टेज पर आरुढ़ होने के लिए लालायित होने लगे। नई नवेली जोड़ी से मिलने और उन्हें गिफ्टों से नवाजने का सिलसिला शुरू हुआ। मंहगे गिफ्ट देते वक्त मेहमानों के चेहरों पर गर्व की रोशनी और तेज हो जाती। मगर वे मेहमान नई जोड़ी की प्रशंसा में एक शब्द भी कहना आवश्यक नहीं समझ रहे थे। भव्य आयोजन के संबंध में भी कुछ कहने की उनकी अभिरुचि नहीं दिख रही थी।

इस बात से जोड़ी के पिता बड़े निराश और दुखी हो रहे थे। तभी उनका गरीब मित्र आता दिखा। उन्होंने आगे बढ़कर अपने मित्र को गले से लगा लिया और अपने पुत्र और पुत्रवधू से मुलाकात करवायी।

पुत्र और पुत्रवधू ने उसके चरण छुए। वह अभिभूत हो उठा। उसने जोड़ी के सिर पर स्नेह से हाथ फेरे और उनके रूप-रंग की खुलकर प्रशंसा की। उसने भव्य आयोजन के संबंध में भी प्रशंसा के पुल बांध दिए। उसने अपने मित्र से कहा, 'ऐसी सुन्दर जोड़ी और ऐसा भव्य आयोजन विरले ही देखने को मिलता है।'

संस्मरण

सुषमा गुप्ता

चतुर गवैया

बहुत पुरानी बात है कि इथियोपिया के एक गांव में एक गवैया रहता था। किसी शादी के मौके पर या फिर किसी इज़्ज़तदार मेहमान के आने पर उसको वहा गाने के लिये बुलाया जाता था। उससे उसको जो पैसे मिल जाते थे उसी से वह अपना गुजारा करता था। एक बार कुछ ऐसा हुआ कि उसके पास ऐसे बहुत सारे मौके आये जब उसको कई जगह गाने के लिये बुलाया गया

और उसको बहुत सारी आमदनी हुई। एक दिन उसने सोचा कि इतना सारा सोना घर में रखना ठीक नहीं है इसलिये इसको जमीन में कहीं गाड़ देना चाहिए। उसने एक थैले में अपना सारा सोना रखा और रात के समय उसको अपने घर के पीछे वाले बागीचे में गाड़ आया। गवैये का पड़ोसी यह जानता था कि इस गवैये के पास बहुत सोना है इसलिए वह हमेशा उसकी चौकीदारी करता रहता था। उसने गवैये को अपना सोने का थैला गाड़ते हुए भी देख लिया था। जब गवैया रात को अपने बागीचे में गया था तो उसके पड़ोसी ने सोचा कि जरूर ही वह अपना सोना गाड़ने गया होगा क्योंकि इसी लिये तो वह वहा रात को गया था। काफी रात बीत जाने के बाद वह पड़ोसी गवैये के बागीचे में दबे पाव चुपचाप गया और बिना कोई आवाज किये वह जगह खोद कर उसके सोने का थैला निकाल लिया। उसने थैला खोल कर देखा तो उस थैले में तो सचमुच ही सोना भरा था। वह बहुत खुश हुआ और उस जगह को पहले जैसा बना कर वह जिस तरह दबे पाव वहा गया था उसी तरह दबे पाँव वह उस सोने के थैले को ले कर वापस अपने घर लौट आया।

आस्था

विश्वकर्मा जयंती मनाने के पीछे का क्या है कारण

विश्वकर्मा पूजा भगवान विश्वकर्मा को समर्पित है। भगवान विश्वकर्मा को हिंदू धर्म में ब्रह्मांड का पहला और महानतम वास्तुकार और इंजीनियर माना जाता है। विश्वकर्मा पूजा का भी हिंदू धर्म में काफी बड़ा महत्व है। विश्वकर्मा पूजा हर साल कन्या संक्रांति के दिन की जाती है।

विश्वकर्मा पूजा का दिन दुनिया के सभी श्रमिकों, कारीगरों और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसा माना जाता है कि विश्वकर्मा पूजा को करने से जीवन में बरकत होती है। लेकिन क्या आपके पता है कि हर साल केवल 17 सितंबर के दिन ही क्यों विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। आइए जानते हैं इसके पीछे का कारण और इस पूजा की क्या है विशेषता। हिंदू धर्म में विश्वकर्मा जयंती का काफी बड़ा महत्व है। हिंदू धर्म में, भगवान विश्वकर्मा को देवताओं का शिल्पकार माना जाता है। हिंदू धर्म में सृष्टि के सभी यांत्रिक और स्थापत्य कार्यों का जनक भगवान विश्वकर्मा को ही माना जाता है।

हिंदू धर्म में भगवान विश्वकर्मा के जन्म को लेकर कई मान्यताएं और कहानियां प्रचलित हैं। कुछ पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि आश्विन माह के कृष्ण पक्ष के दिन ही भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। वहीं कुछ लोगों का ऐसा भी मानना है कि भगवान विश्वकर्मा का जन्म भाद्रपद माह की अंतिम तिथि को हुआ था। लेकिन भगवान विश्वकर्मा की जन्म तिथि के अलावा एक और भी मान्यता प्रचलित है, जिसमें विश्वकर्मा पूजा को सूर्य के परागमन के अनुसार तय किया गया।

व्यंग्य

अनुज खरे

गुप्तज्ञान

आप मेरे बारे में नहीं जानते भाई साहब, मैं ज्योतिषी, न्यूमेरोलॉजी, सामुद्रिक शास्त्र, वास्तुशास्त्र आदि में भंयकर रूप से दखल रखता हूं। दखल ही क्या, मैं तो पूरा का पूरा इनके अंदर ही दाखिल हूं। इस क्षेत्र में मेरी ख्याति चारों और फैलाने में मेरे शिष्य कम रियूमर रिप्रेजेंटेटिव, माउथ पब्लिसिटी डिस्ट्रीब्यूटर जैसे 'स्नेहीजनों' का भी गहन हाथ है। मेरे प्रिडिक्शन इतने नपे-तुले, वैज्ञानिक एप्रोच से भरे होते हैं कि उनके गलत होने के बारे में मैंने कभी सुना ही नहीं, क्योंकि विरोधियों की बात पर मैं ध्यान देता ही नहीं और गलत कहने वालों की आवाज पर कान ही नहीं धरता। नपे-तुले का तो यूं मामला है कि हर व्यक्त के लिए ये उसी की इच्छा के अनुरूप नपे-तुले हैं, वैज्ञानिक एप्रोच की जहां तक बात है तो हर आदमी को वैज्ञानिक रूप से सही लगेंगे ही क्योंकि चाहे जब परख लो, बस मतलब सही निकालते आना चाहिए। हालांकि यहां 'वैज्ञानिकता' क्या है? इस बारे में मुझसे डायरेक्ट न पूछा जाना चाहिए, क्योंकि विज्ञान में तो मेरा बचपन से ही हाथ तंग है, मूलतः मैं तो कलाकार किस्म का आर्ट्स को समर्पित छात्र रहा हूं। जिसकी इस विषय में सारी 'कला' नकल के चुटकों के निर्माण के समय सर्वोच्च शिखर पर दिखाई देती रही है। उस क्षेत्र में मेरे मुकाबले का 'कलाकार' पूरे जिले के किसी स्कूल में पाया ही नहीं जाता था। यह बात मैं इतने विश्वास से इसलिए भी कह पा रहा हूं, क्योंकि परीक्षाओं के समय दूर-दूर के स्कूलों के 'वरिष्ठ' छात्र तक इस कला की बारीकियां सीखने के लिए मुझसे निरंतर संपर्कात रहा करते थे।कई बार तो परोपकार की इच्छा के वशीभूत 'कला' के स्वांतः सुखाय प्रयोग के स्थान पर उनके लिए महीन अक्षर के प्रयोग द्वारा कैलीग्राफी कला को महान ऊंचाइयां भी देता रहा हूं। होस्टलों आदि तक में अपनी कला के विशेष प्रदर्शनों के आयोजन में परफॉर्मेंस देने के लिए आमंत्रित किया जाता था।

आलेख

अशोक कुमार

आनंद

जब हम कुछ खाते हैं तो हमें आनंद मिलता है. जब हम कुछ पीते हैं तो हमें आनंद मिलता है. जब हम कुछ देखते हैं तो हमें आनंद मिलता है. जब हम कुछ सुनते हैं तो हमें आनंद मिलता है. जब हम कुछ सूंघते हैं तो हमें आनंद मिलता है. हम कुछ करें तो भी आनंद मिलता है और यदि कुछ न भी करें, तो भी हमें आनंद मिलता है, आता है और महसूस होता है. हां, ये बात अलग है कि अच्छे से सुख और आनंद मिलता है और बुरे से दुख और कष्ट मिलता है. शायद इसीलिए ज्ञानी कहते हैं कि ' हम आनंद हैं. हम आनंद से आते हैं, आनंद में रहते हैं और आनंद में ही चले जाते हैं ,. जब हर चीज़ हमें आनंद देती है तो फिर लोग इतने दुःखी क्यों हैं? लोग इतने परेशान क्यों हैं? लोग इतना रोते क्यों हैं? लोग इतना लड़ते क्यों हैं? लोग इतना चीखते चिल्लाते क्यों हैं? लोग इतना भागते क्यों हैं? लोग आत्महत्या क्यों करते हैं? लोग जीवन को दुखों का घर, जी का जंजाल क्यों कहते हैं?

शायद हमारी अनुभव करने की शक्ति क्षीण हो गई है. या हम गलत चीज़ों का चयन करते हैं. या हम आनंद से ज्यादा, दुःख भोगने के आदी हो गए हैं. या आनंद हमारे पास आता आता, दुःख में

बदल जाता है. या हम आनंद को स्वीकार ही नहीं करते. कोई तो कारण है, जो ज्यादातर लोग दुखी हैं. ' नाम खुमारी नानका, चढ़ी रहे दिन रात,. एक तरफ गुरू नानक आनंद की मस्ती में मस्त हैं, झूम रहे हैं. दूसरी तरफ हम दुःखों की आग पर बैठे जल रहे हैं, तड़प रहे हैं. एक तरफ गुरू नानक मस्ती में गा रहे हैं. दूसरी तरफ हम अपने दुखों का मातम मना रहे हैं. एक तरफ वो जीवन को सुंदर, प्रभु का वरदान कह रहे हैं. दूसरी तरफ हम जीवन को असुंदर और अभिशाप कह रहे हैं. इतना बडा फर्क. इतना बडा परिवर्तन. शायद उन्होंने वो देख लिया, जिसे हम देख पाने में असफल रहे.

फेंगशुई के अनुसार इन चीजों को रखें दूर

फेंगशुई के अनुसार, टूटी हुई चीजें घर में अवरोध और नकारात्मकता लाती हैं। यह ऊर्जा के प्रवाह को बाधित करती हैं और दुर्भाग्य का कारण बन सकती हैंसमय रुकना, जीवन में प्रगति रुकने का संकेत होता है। फेंगशुई में इसे विकास में रुकावट और अतीत में फंसे रहने का संकेत माना जाता है। इसके अलावा खराब या बंद घड़ी बीमारी की संभावना का संकेत देती है। इसलिए, इसे तुरंत हटा दें।ऐसे चित्र या पेंटिंग जो अकेले व्यक्ति, रोते हुए चेहरे या तूफान या युद्ध दर्शाते हैं, वे घर के वातावरण को भारी बना सकते हैं। ऐसी तस्वीरें इंसानों के दिमाग पर भी बुरा असर

डालती हैं। खासकर मुख्य द्वार के पास जूते-चप्पल का ढेर लगाना ऊर्जा के प्रवेश को रोकता है। पुराने और टूटे जूते घर से बाहर कर दें। घर में जूते अस्त-व्यस्त भी ना रखें। कमरे में या अपने बिस्तर के नीचे जूतों को रखने से भी बुरी ऊर्जा आती है। जूते आपके पूरे दिन के तनाव और चिंता को अपने साथ ले जाते हैं और उनके साथ, आप अपने स्थान में नकारात्मकता को आमंत्रित करते हैं।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

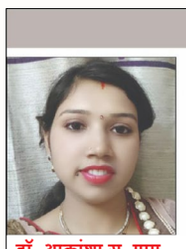
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 17 सितंबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान में चंद्रपुर ज़िला अव्वल हो: पालकमंत्री डॉ. उइके

> ग्राम स्तर पर सूक्ष्म योजना और क्रियान्वयन के निर्देश

> आदर्श ग्राम पंचायत अधिकारी पुरस्कार वितरण

चंद्रपुर, सुनील तायडे

राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे की संकल्पना के अनुरूप राज्य में मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह 100 दिन और 100 अंकों का एक उत्कृष्ट अभियान है और इसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत को सशक्त बनाया जाएगा। राज्य के आदिवासी विकास मंत्री और चंद्रपुर ज़िले के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने कहा कि चंद्रपुर ज़िले की प्रत्येक ग्राम पंचायत इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग ले और सूक्ष्म योजना बनाए ताकि उनका ज़िला राज्य में अव्वल रहे।

वे प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी सांस्कृतिक भवन में जिला परिषद द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला का वीडियो सिस्टम के माध्यम से उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर विधायक सुधाकर अड़बले, किशोर जोरगेवार, देवराव भोंगले, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुलकित सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरीश धायगुडे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी मीना सालुंके (पंचायत), नूतन सावंत (सामान्य), शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) राजेश पटले, अश्विनी केलकर (प्रा.) मान्याची वाडी गांव (ता. पाटन, जिला सातारा) के सरपंच रविंद्र माने और अन्य मंच पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर पालकमंत्री डॉ. उइके ने कहा कि यह अभियान चंद्रपुर जिले की ग्राम पंचायतों को आजीविका विकास, सामाजिक न्याय आदि के मामले में अधिक सक्षम, पारदर्शी, जल-समृद्ध, आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। जनभागीदारी से उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को जिला, तालुका और ग्राम पंचायत स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इस अभियान का शुभारंभ सेवा पखवाड़े यानी 17 सितंबर से होगा। यह अभियान पूरे राज्य में 100 दिनों यानी 31 दिसंबर तक चलाया जाएगा। पालकमंत्री डॉ. उइके ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान में चंद्रपुर जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहेगा।

ग्राम पंचायतें लक्ष्य निर्धारित करके कार्य करें : सरपंच रवींद्र माने मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान एक ऐसा अभियान है जो गाँव की सूरत बदल देगा। ग्राम पंचायतों को केवल आय पर नहीं चलना चाहिए, बल्कि विभिन्न अभियानों में भाग लेकर पुरस्कारों के माध्यम से हम अपनी ग्राम पंचायत को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं। पुरस्कार राशि से गाँव और गाँव के प्रत्येक परिवार का विकास संभव है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों से विभिन्न पुरस्कार प्राप्त ग्राम पंचायत मान्याची वाडी (ता. पाटन, जिला सातारा) के सरपंच ने उपस्थित सरपंचों को सलाह दी कि ग्राम पंचायतों को लक्ष्य निर्धारित करके कार्य करना चाहिए। वे एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान एक बहुत ही उत्कृष्ट अभियान है। इसमें अब तक चलाए गए सभी अभियानों का सारांश शामिल है। प्रत्येक अभियान एक वर्ष का होता है, लेकिन यह अभियान केवल 100 दिनों का है और 100 अंकों का है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को 8 मुद्दों पर 50 प्रश्नों पर काम करना है। उन्होंने यह भी अपील की कि प्रत्येक सरपंच अगले 100 दिनों तक गाँव में रहें और इस अभियान को सफल बनाएँ तथा जिले के लिए पुरस्कार भी प्राप्त करें।

इस अवसर पर विधायक सुधाकर अड़बाले, किशोर जोरगेवार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवराव भोंगले ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में गट विकास अधिकारी, ग्राम सेवक, सरपंच आदि उपस्थित थे।

शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

चंद्रपुर.

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शांताराम पोटदुखे विधि महाविद्यालय में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एजाज शेख ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि डॉ. राधाकृष्णन न केवल एक महान विचारक और समाजसेवी थे, बल्कि एक आदर्श शिक्षक भी रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने तथा अपने आप में सुधार कर समाज में सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा दी, जिससे समाज का विकास सुनिश्चित हो और शिक्षक समुदाय का भी मान बढ़े।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षक की भूमिका का जीवंत रूप से अभिनय किया। साहिल बेले और बशरत अली ने प्राचार्य व उपप्राचार्य की भूमिका स्वयंसेवक के तौर पर निभाई। इस दौरान ईमास शेख और प्रशांत भटवलकर को 'उत्तम शिक्षक' के रूप में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे प्राचार्य डॉ. एजाज शेख ने उनके हाथों प्रदान किया।

कार्यक्रम के आयोजन में विशेष सहयोग माजी रा. से. यो. प्रमुख डॉ. सरोज कुमार दत्ता ने दिया। मंच पर महाविद्यालय के पदवीत्तर विभाग प्रमुख डॉ. पंकज काकडे, एल.एल. बी. विभाग प्रमुख डॉ. मनीषा आवळे, नॅक कोऑर्डिनेटर डॉ. पुर्नेंदुकुमार कार एवं माजी रा. से. यो. प्रमुख डॉ. सरोज कुमार दत्ता प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. लिना लंगडे तथा विद्यार्थियों द्वारा कुशलता से किया गया। सभी प्राध्यापकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य एवं अन्य प्राध्यापकों को सम्मान चिन्ह प्रदान कर विद्यार्थियों ने आभार व्यक्त किया। स्वागत गीत कु. श्रेया गोरंटिवार ने प्रस्तुत किया, जबकि आभार प्रदर्शन रा. से. यो. प्रमुख नंदकिशोर भंडारी द्वारा किया गया।

अहेरी तालुका के नागेपल्ली में स्मशानभूमि की जमीन पर विवाद

दो गुटों में जमकर मारपीट

गढ़चिरोली.

अहेरी शहर से सटे नागेपल्ली गांव में स्मशानभूमि की जमीन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हुआ। इस दौरान दो गुटों के बीच जोरदार मारपीट हुई, जिससे गांव में तनाव का माहौल निर्माण हो गया है।मिली जानकारी के अनुसार, नागेपल्ली की स्मशानभूमि की जमीन पर कुछ बाहरी लोगों ने अवैध रूप से सूअर पालन (वराह पालन) शुरू कर दिया था। शनिवार को गांव के लोग एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार के लिए वहां पहुंचे तो अतिक्रमणकारियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया।

इसको लेकर दोनों गुटों में तीखी बहस हुई और मामला देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया। लाठियों और डंडों से दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर हमला किया। इस झड़प में कई ग्रामीण घायल हो गए।ग्रामीणों का कहना है कि यह जगह वर्षों से स्मशानभूमि के रूप में इस्तेमाल होती आ रही है।

पहले भी दो बार यहां से अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन प्रशासन की लापरवाही का फायदा उठाकर फिर से अतिक्रमण कर लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अहेरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों गुटों को शांत कर हालात काबू में किए।

गढ़चिरोली में ठेकेदारों का बड़ा आंदोलन

1500 करोड़ के बकाया बिलों की मांग

गढ़चिरोली. जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए काम करने वाले ठेकेदारों की स्थिति गंभीर हो गई है। इसके चलते गडचिरोली कंत्राटदार असोसिएशन, सुशिक्षित बेरोजगार इंजीनियर संगठन और मजदूर सहकारी संगठन ने संयुक्त रूप से सार्वजनिक आंदोलन शुरू किया है।

ठेकेदार संगठन के नेताओं ने बताया कि सरकार की ओर से ठेकेदारों के बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे उन पर कर्ज का भारी बोझ आ गया है। वर्तमान में लगभग 1500 करोड़ रुपये के बिल बकाया पड़े हैं। इस वित्तीय संकट के कारण ठेकेदार हताश हो रहे हैं और आत्महत्या तक का रास्ता अपना रहे हैं।

उन्होंने एक सीधा सवाल पूछते हुए कहा, "ठेकेदार आत्महत्या कर रहे हैं, देवाभाऊ, और कितने ठेकेदारोंकी आत्महत्या कराएंगे ?" यह सवाल प्रशासन और सरकार के लिए चुभने वाला है।

बिलों का तुरंत भुगतान करने की मांग करते हुए इन संगठनों ने जिले में बैनर अभियान चलाया, जिससे स्थानीय स्तर पर इस समस्या के प्रति जागरूकता पैदा हुई है। संगठनों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर इस समस्या का तत्काल समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन का अगला चरण और अधिक तीव्र होगा।

15 वें वित्त आयोग योजना की स्वीकृति के बिना ही लाखों रुपये खर्च

> मोटेगांव ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्राम पंचायत अधिकारी की मनमानी

> मनमर्जी से मुख्य योजना को बदलकर दुसरी पूरक योजना तैयार की

नेरी, शुभम बारसागडे

चिमूर पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले मोटेगांव ग्राम पंचायत में 15 वें वित्त आयोग से लाखों रुपए बिना किसी काम के गांव में स्थानांतरित कर दिए गए हैं। इस संबंध में ग्रामीणों ने पंचायत समिति समूह विकास अधिकारी चिमूर से शिकायत की है।

15 वें वित्त आयोग की मुख्य योजना वित्तीय वर्ष 2024-2025 को ग्राम पंचायत का प्रस्ताव लिए बिना, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी और गुट विकास अधिकारी की अनुमति लिए बिना संशोधित किया गया है और गांव में कोई भी काम किए बिना अपने फायदे के लिए लाखों रुपए निकाल लिए गए हैं। ग्राम पंचायत सरपंच, ग्राम पंचायत अधिकारी ने लाखों रुपयों का भ्रष्टचार किया है। ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्राम पंचायत अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया और ग्राम पंचायत से लाखों रुपयों का गबन किया है। अगर इसकी उच्च स्तरीय जाँच की जाए तो ग्राम पंचायत का पूरा गोरखधंधा उजागर हो जाएगा। इसलिए ग्रामीणों ने गुट विकास अधिकारी से मोटेगाँव ग्राम पंचायत की जाँच कर ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम पंचायत सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें निलंबित करने की कार्रवाई करने की माँग की है। इस मामले में जांच चल रही थी, हालांकि, जांच अधिकारी प्रशिक्षण पर गए हैं, इसलिए उनके लौटने के बाद दो दिनों के भीतर जांच पूरी कर ली जाएगी और कार्रवाई रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दी जाएगी ऐसी जानकारी नितिन फुलझेले, संवर्ग विकास अधिकारी ने नागपुर मेट्रो समाचार को बातचीत के दौरान दी. विलास कोराम पूर्व पं. स. उपसभापती, मोटेगाव ने कहा कि ,ग्राम सभा और जिला परिषद की स्वीकृति लिए बिना ही नई अनुपूरक योजना में बदलाव करके नाली निर्माण का भुगतान कर दिया गया है। यह गलत है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

सर्व शिक्षा अभियानांतर्गत मंजूर स्कूल बांधकाम व शौचालय कार्यों की मान्यता स्थगित करने के निर्देश

गडचिरोली.

शिवसेना जिला प्रमुख एवं जिला नियोजन समिति सदस्य राकेश बेलसरे द्वारा प्रस्तुत पत्र के आधार पर राज्य के वित्त, योजना, सहकार एवं विधि मंत्री अड. आशीष जयस्वाल ने गडचिरोली जिले में सर्व शिक्षा अभियानांतर्गत मंजूर स्कूल भवन, स्कूल मरम्मत व शौचालय निर्माण कार्यों की मान्यता फिलहाल स्थगित रखने के निर्देश दिए हैं।

बेलसरे ने अपने पत्र में बताया था कि जिले में मंजूर कई स्कूल भवन व शौचालय कार्य लंबे समय से अधूरे हैं और कई जगह घटिया निर्माण कार्य किया गया है। इस कारण बच्चों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने सभी कार्यों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी।

मंत्री जयस्वाल ने आदेश जारी करते हुए कहा कि जब तक इन कार्यों की विस्तृत जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक नई मान्यता स्थगित रहेगी। साथ ही दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की बात भी कही। जिला परिषद गडचिरोली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

टंटामुक्त समिति ने कराई प्रेमी जोड़े की शादी

चिमूर, शुभम बारसागडे

चिमूर तालुका के आंबोली में एक प्रेमी जोडे का विवाह टंटा मुक्त समिति और ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पुलिस पाटिल और सदस्यों की उपस्थिति में, तथा युवक युवती की सहमति और माता-पिता व रिश्तेदारों की सहमति से, नागरिकों की उपस्थिति में, धुनी बाबा मंदिर चौक आंबोली में संपन्न हुआ। युवक-युवती का प्यार प्रेम विवाह में परिवर्तित होने से दोनों युवक-युवती में खुशी है। शुभम राजेश्वर चुनारकर उम्र 25 वर्ष, आंबोली त. चिमूर जिला चंद्रपुर और कु. दीक्षा विलास सोनटक्के उम्र 19 वर्ष, जांभूळविहरा त. चिमूर जिला चंद्रपुर, यह दोनो लंबे समय से प्यार की क़स्मे खाकर शादी के सुनहरे सपने देख रहे थे. लेकिन पिछले साल उनकी शादी में बाधा आई क्योंकि दीक्षा की उम्र 18 साल से कम थी। इससे पहले, इस शादी में बाधा आई थी क्योंकि लड़की के माता-पिता तैयार नहीं थे। लेकिन शादी के संबंध में विवाद मुक्त समिति और ग्राम पंचायत अंबोली में एक आवेदन प्रस्तुत करने के बाद, इस पर दोनों के माता-पिता और रिश्तेदारों से चर्चा की गई और उन्हें समझाया गया। और दोनों का विवाह समारोह 14 सितंबर, 2025 को शाम 6 बजे सभी की सहमति से किया गया। इस समय लडका- लडकी के माता-पिता, रिश्तेदार, विवाद मुक्त समिती के अध्यक्ष सुरेश गरमळे, पोलीस पाटील यशवंत ठाटकर, उपसरपंच वैभव ठाकरे, काशिनाथ चवरे, रवींद्र गारघाटे,नागेश बारेकर और ग्रामवासी उपस्थित थे।

मृत पशुओं का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कार्य प्रेरणादायी

> अमोल देवगिरकर की छह साल से चल रही है प्रेरक पहल

> छह वर्षों में कुल 2018 पशुओं का अंतिम संस्कार

नेरी, शुभम बारसागड़े

हमारी संस्कृति में मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक करने की शिक्षा दी जाती है। लेकिन अनाथ, मूक पशुओं को यह सम्मान नहीं दिया जाता। इसी दुखद अनुभूति को ध्यान में रखते हुए, शंकरपुर स्थित माई फाउंडेशन के एक युवा अमोल देवगिरकर पिछले छह वर्षों से मृत पशुओं को सम्मानपूर्वक दफनाने की एक प्रेरणादायक पहल कर रहे हैं।

शहर और गांवों की मुख्य सड़कों पर, खासकर ग्रामीण इलाकों में, आवारा पशुओं की भारी संख्या है। चूँकि ये पशु सड़कों पर जमा रहते हैं, इसलिए कई बार वाहन की टक्कर से पशु घायल हो जाते हैं ओर उनकी मौत भी हो जाती है। कई बार इन मृत पशुओं को खुले में फेंक दिया जाता है। इससे इलाके में दुर्गंध फैलती है। चूँकि इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होता, इसलिए ये कई दिनों तक सड़क के किनारे पड़े रहते हैं। नतीजतन, जनस्वास्थ्य की भी समस्या होती है। लेकिन इन मृत पशुओं को सम्मानपूर्वक दफनाने के लिए कोई आगे नहीं आता। अमोल देवगिरकर कई बार इन क्षत-विक्षत पशुओं को देखकर विचलित हुए. इसलिए, किसी और का इंतज़ार करने के बजाय, उन्होने खुद ही सोचा कि मुझे अपना फ़र्ज़ निभाना चाहिए और यह कदम उठाया। माई फ़ाउंडेशन की ओर से, अमोल पिछले छह सालों से मृत जानवरों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करते आ रहे हैं। इनमें कुत्ते, बिल्लियाँ, बैल और यहाँ तक कि जंगली जानवर भी शामिल हैं।

निःशुल्क सेवा: छह वर्षों में कुल 2018 पशुओं का अंतिम संस्कार शहर, वार्ड या गाँव में सड़क पर कुत्ते, बिल्ली या अन्य मृत पशुओं के पड़े होने की सूचना मिलते ही अमोल वहाँ पहुँच जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के लिए आता है, तो उसे 100 रुपये दिए जाते हैं। अपने खर्च पर की जाने वाली इस पशु सेवा से किसी को असुविधा हो या न हो, चिमूर और नागभीड़ तालुका में यह सेवा आज भी जारी है और 2018 मृत पशुओं को सम्मानपूर्वक दफनाया जा चुका है।

जानवर ज़िंदा रहते हुए इंसानों के साथ रहते हैं। वे उनके साथी बन जाते हैं। इसलिए, मरने के बाद, उन्हें भी इंसानों जैसा ही अंतिम संस्कार मिलना चाहिए। सम्मानजनक अंतिम संस्कार जानवरों का भी अधिकार है। मुझे खुशी होगी अगर सभी इस मानवीय विचार को स्वीकार करें। सभी को मानवता का धर्म निभाना चाहिए।

हुमा कुरैशी ने की बॉयफ्रेंड से चोरी-छिपे सगाई

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इस दिनों फिल्मों और फैशन से परे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर उनकी सगाई की चर्चे काफी तेजी से फैल रही हैं। क्या हुमा ने अपने लॉन्ग-टाइम रूमर्ड बॉयफ्रेंड और एक्टिंग कोच रचित सिंह से सगाई कर ली है? सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक पोस्ट ने फैंस के पेट में खलबली मचा दी है।

हुमा और रचित का रिश्ता अब नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गया है। 'हुमा और रचित पिछले कुछ टाइम से एक-दूसरे के साथ सुपर कम्फर्टेबल हैं। रचित ने उन्हें एक प्राइवेट प्रपोजल दिया, और हुमा ने हामी भर ली! ये स्पेशल मोमेंट अमेरिका में हुआ, जहां दोनों टीआईएफएफ के लिए गए थे। अभी वो पब्लिकली अनाउंस करने को लेकर सोच रहे हैं, लेकिन खुशी तो डबल है। वाह, क्या रोमांटिक ट्विस्ट है ना? फैंस तो पहले से ही इनकी केमिस्ट्री के दीवाने हैं, और अब ये सगाई की खबर ने तो बॉलीवुड गॉसिप वर्ल्ड में तहलका मचा दिया। हुमा और रचित का रिश्ता पहली बार तब हाइलाइट हुआ, जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी में दोनों मैचिंग पिंक आउटफिट्स में नजर आए। उनकी केमिस्ट्री देखकर तो कोई कैसे इग्नोर कर सकता था?

पार की बोल्डनेस की सारी हदें

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो अपने बोल्ड और इंटीमेट सीन की वजह से सुर्खियों में रहीं। इनमें से कुछ फिल्मों को दर्शकों ने खूब सराहा, तो कई बार इन्हें विवादों का सामना भी करना पड़ा। ऐसी ही एक फिल्म है शिल्पा शुक्ला की बी.ए. पास, जिसने रिलीज के साथ ही चर्चा बटोरी और एक्ट्रेस को नई पहचान दिलाई। साल 2013 में रिलीज हुई बी.ए. पास में शिल्पा शुक्ला ने एक उम्रदराज महिला का किरदार निभाया था, जो एक युवा लड़के को अपनी ओर आकर्षित करती है। इस फिल्म में शिल्पा ने एक्टर शादाब कमाल के साथ कई बोल्ड और इंटीमेट सीन किए, जो उस समय खूब चर्चा में रहे। इस किरदार और उनके अभिनय ने उन्हें रातों-रात

स्टार बना दिया।

फिल्म की कहानी एक जवान लड़के और बड़ी उम्र की महिला के रिश्ते पर आधारित थी। यह समाज के उस पहलू को सामने लाती है, जिस पर अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। हालांकि फिल्म के बोल्ड सीन फैमिली में देखने लायक तो नहीं थे, लेकिन इसकी दमदार कहानी और प्रेजेंटेशन को लोगों ने काफी सराहा।

डायरेक्टर अजय बहल की इस फिल्म का बजट महज 1.75 करोड़ रुपये था, लेकिन इसने पहले वीकेंड में ही लगभग 4.5 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। फिल्म की कुल कमाई करीब 6 करोड़ रुपये रही। बी.ए. पास को उस समय 720 सिनेमाघरों में 1700 शो मिले थे। शिल्पा शुक्ला और शादाब कमाल के अलावा फिल्म में राजेश शर्मा, गीता अग्रवाल और दिव्येंदु भट्टाचार्य जैसे कलाकार भी नजर आए। फिल्म के डायरेक्शन, सिनेमेटोग्राफी और रिएलिटी टच को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा।

'बिग बॉस' पर तनुश्री दत्ता का बयान

पिछले 19 सालों से सलमान खान का टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस' चल रहा है. अब तक कई बड़े सितारे इस शो का हिस्सा बन चुके हैं. हर साल अलग-अलग स्टार्स इस शो का हिस्सा बनते हैं. हालांकि, कई स्टार्स ऐसे भी हैं, जो इस शो का ऑफर ठुकरा भी चुके हैं. अब कुछ ऐसा ही दावा एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने भी किया है. उनका कहना है कि उन्हें पिछले 11 सालों से इस शो का ऑफर मिल रहा है, लेकिन वो रिजेक्ट कर रही हैं.तनुश्री दत्ता ने आगे कहा, मेरे लेवल पर दूसरी बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी है. उसे भी इतना ही पैसा मिला है. मेरे पास 'बिग बॉस' स्टाइलिस्ट का भी फोन आया था. उसने मुझे रिक्वेस्ट किया और कहा था कि वो मेरे डाइट का भी ख्याल रखेगी. पर मैंने कह दिया कि अगर वो मुझे चांद का टुकड़ा भी देते हैं तो भी मैं इस शो में नहीं जाऊंगी.तनुश्री दत्ता ने इस बारे में बताया कि वो इस शो में क्यों नहीं जाना चाहतीं. इस बारे में उन्होंने कहा, आदमी और औरत दोनों एक ही हॉल में सोते हैं. वो वहां सोते हैं, वहां झगड़े करते हैं. मैं अपने डाइट का बहुत का ख्याल रखती हूं. क्या मैं उस तरह की हूं कि एक रिएलिटी शो के लिए मैं एक आदमी के साथ उसी बेडी पर सोऊंगी. मैं इतनी गिरी हुई नहीं हूं. मेरी प्राइवेसी मेरे लिए काफी जरूरी है. मैं जानती हूं कि मैं उससे ज्यादा कमा सकती हूं अगर वो मुझे शांति से काम करने दें.

अक्षय ने बड़ी फिल्म के लिए बदला प्लान?

अब अक्षय कुमार की अगली फिल्म की बारी है. जल्द ही वो 'जॉली एलएलबी 3' से धांसू वापसी को तैयार हैं. जिसमें उनके साथ अरशद वारसी भी नजर आएंगे. पर इन सबके बीच वो दूसरी फिल्मों का काम भी निपटा रहे हैं. हाल ही में 'हैवान' का एक शेड्यूल पूरा कर लौटे हैं. वहीं, उनकी कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी हैं, जिनकी रिलीज डेट को लेकर अब भी कन्फ्यूजन बना है. इसी बीच जानकारी मिली है कि इस साल उनकी आलिया भट्ट से टक्कर नहीं होगी. उन्होंने अपनी बड़ी फिल्म के लिए पूरा प्लान बदल लिया है. अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी फिर से धमाल मचाने को

तैयार है. दोनों की पहली फिल्म है 'भूत बंगला', दूसरी 'हेरा-फेरी 3' और तीसरी है- हैवान. जल्द ही 'हेरा-फेरी 3' का काम शुरू करने के लिए परेश रावल तैयार हैं. जो दोबारा फिल्म से जुड़ गए हैं. दरअसल एक्टर ने फिल्म से अलग होने का ऐलान किया था. फिर खूब बवाल हुआ और कोर्ट तक मामला पहुंचा. इसी बीच एक्टर ने अक्षय की फिल्म को लेकर अपडेट दिया है. अक्षय कुमार की जिस फिल्म का बेसब्री से इंतजार हो रहा है, वो है- वेलकम तो दी जंगल यूं तो फिल्म की काफी शूटिंग पहले ही कंप्लीट हो गई थी. जिसे इस साल क्रिसमस पर रिलीज करने की खबरें थीं. पर कॉमेडी फ्रेंचाइजी के तीसरे इंस्टॉलमेंट को अब क्रिसमस पर नहीं लाया जाएगा. परेश रावल ने हाल ही में बताया कि फिल्म का शूट नवंबर और दिसंबर में दोबारा शुरू होगा. ऐसे में किसी भी हाल में दिसंबर में रिलीज नहीं हो पाएगी. वहीं मेकर्स अब इस फिल्म को मार्च या अप्रैल 2026 में रिलीज करने की प्लानिंग में है. कहा जा रहा कि वो इस बार नए रोल में नजर आएंगे.

आलोकनाथ को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

बॉलीवुड के संस्कारी बाबू जी ने अपनी एक्टिंग से काफी इम्प्रेस किया है. पर फिल्मों की तरह ही उनकी पर्सनल लाइफ भी चर्चा में रही है. अब एक बार फिर सागा ग्रुप घोटाला मामले में सुर्खियां बटोर रहे हैं. एक्टर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हरियाणा मार्केटिंग स्कैम मामले में फिलहाल आलोक नाथ की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई है. जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक नोटिस भी जारी किया है.सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा कि, आप वरिष्ठ नागरिकों को ब्रांड एंबेसडर बनाने के लिए ले जा रहे हैं. फिर उनके बुढ़ापे का फायदा उठा रहे हैं. दरअसल कथित मार्केटिंग फ्रॉड केस में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी. लेकिन मंगलवार को सुप्रीम

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाई है.

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने आलोक नाथ की एफआईआर को एक साथ जोड़ने की याचिका पर नोटिस जारी किया है. जो सागा ग्रुप घोटाला मामले से जुड़ा हुआ है. जिसपर जस्टिस बीवी नागरत्ना की दो सदस्यीय बेंच ने कहा कि अगली सुनवाई तक कोई भी कड़ा कदम नहीं उठाया जाएगा. इससे पहले एससी ने इस मामले में श्रेयस तलपड़े की गिरफ्तारी पर भी रोक लगाई थी. दरअसल सोनीपत के रहने वाले अंतिल की शिकायत पर श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ समेत 13 लोगों पर मामला दर्ज किया गया था.

शिकायतकर्ता का आरोप है कि दोनों एक्टर्स ने ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड का बतौर ब्रांड एंबेसडर प्रमोशन किया था. वहीं मुरथल के एसीपी अजीत सिंह का कहना है कि यह शिकायत एक मल्टी-मार्केटिंग कंपनी के खिलाफ थी, जिसकी फिलहाल जांच चल रही है. साथ ही बताया कि वो दोनों एक्टर्स इसके ब्रांड एंबेसडर थे. वहीं, पीड़ितों को इन एक्टर्स के नाम पर निवेश करने के लिए मनाया गया था. जानकारी के मुताबिक, शिकायत में एक्टर का नाम था. जिस पर जांच की जा रही है.

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आएंगे आर्यन खान

पिछले काफी लंबे समय से एक वेब सीरीज की काफी चर्चा हो रही है, जिसका नाम है 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'. इस सीरीज को शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने डायरेक्ट किया है. फैंस को इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है. हालांकि, अब ये इंतजार जल्द ही पूरा होने जा रहा है. चलिए जानते हैं कि इस सीरीज को कब और कहां देख सकते हैं.'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रेड चिलीज एंटरटेमेंट के बैनर तले बनी है. शाहरुख की पत्नी गौरी खान ने इस प्रोड्यूस किया है. अपने पहले प्रोजेक्ट के लिए आर्यन ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के साथ कौलैब किया है. यानी ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी. 18 सितंबर यानी गुरुवार के दिन ये सीरीज रिलीज होने वाली है. अभी नेटफ्लिक्स या फिर आर्यन की तरफ से तो एपिसोड को लेकर जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन आईएमडीबी की मानें तो इस सीरीज में 6 एपिसोड हैं. ये सारे एपिसोड 18 सितंबर को रिलीज कर दिए जाएंगे. ये सीरीज आर्यन का डेब्यू प्रोजेक्ट है. डायरेक्ट करने के साथ-साथ उन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है.'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में एक्टर्स की पूरी फौज है. लीड रोल में लक्ष्य लालवाणी और सहर बंबा हैं. इन दोनों के अलावा राघव जुयाल, मोना सिंह, बॉबी देओल, आन्या सिंह, मनोज पाहवा, विजयंत कोहली, मनीष चौधरी, रजत बेदी, गौतमी कपूर, सिद्धांत चतुर्वेदी, राज कुमार राव, दिशा पाटनी, अर्जुन कपूर, बादशाह समेत और भी कई बड़े चेहरे इस सीरीज का हिस्सा हैं.

तारक मेहता में नहीं लौटेंगी दिशा वकानी

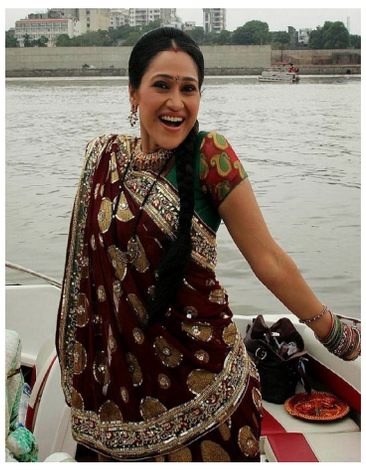

छोटे पर्दे का पॉपुलर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के फैन्स लंबे समय से अपने मशहूर किरदार दयाबेन की वापसी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं. एक्ट्रेस दिशा वकानी, जो इस किरदार को निभाती थीं, पिछले सात सालों से शो से गायब हैं. उनकी वापसी को लेकर आए दिन अलग-अलग तरह की खबरें सामने आती रहती हैं. हालांकि फैन्स को अब भी उम्मीद हैं कि उनकी वापसी शो में जरूर होगी. लेकिन इसी बीच दिशा के ऑन-स्क्रीन और रियल लाइफ भाई मयूर वकानी ने असित मोदी के शो में उनकी अनुपस्थिति के बारे में खुलकर बात की.दिशा के भाई का बयान सुनकर फैन्स का दिल टूट सकता है. दरअसल मयूर ने साफ शब्दों में कहा कि वह अपने बच्चों के साथ बिजी होने के कारण शो में वापस नहीं आएंगी. मयूर उर्फ सुंदर ने बताया, मैंने उनके सफर को करीब से देखा है क्योंकि मैं उनसे दो साल बड़ा हूं. एक बात जो मैंने महसूस की है, वह यह है कि जब आप ईमानदारी और विश्वास के साथ काम करते हैं, तो ईश्वर का आशीर्वाद मिलता है. वह आगे बताते हैं कि वह सचमुच धन्य हैं, लेकिन इसके साथ ही, उन्होंने बहुत मेहनत भी की है. यही वजह है कि लोगों ने दया के रूप में उन पर इतना प्यार बरसाया है. उन्होंने आगे कहा, मेरे पिताजी ने मुझे हमेशा सही राह दिखाई और बताया कि ज़िंदगी में भी हम कलाकार ही हैं. हमें जो भी भूमिका मिले, उसे पूरी ईमानदारी से निभाना चाहिए. हम आज भी उनकी सीख पर चलते हैं. फिलहाल, वह असल जिंदगी में एक मां की भूमिका निभा रही हैं और पूरी लगन से उसे निभा रही हैं. मुझे पूरा यकीन है कि मेरी बहन के मन में भी हमेशा यही बात रही होगी.

'क्योंकि सास' के हितेन-गौरी की जोड़ी कैसे बनी

एकता कपूर अपने सुपरहिट डेली सोप 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का दूसरा सीजन लेकर आई हैं. 17 सालों के बाद इस सीरियल

ने एक बार फिर अपनी जगह लोगों के बीच बना ली है और इसमें एक बार फिर लौटकर आई है टीवी की मोस्ट पॉपुलर जोड़ियों में एक करण-नंदिनी की जोड़ी. करण-नंदिनी के किरदार को हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान ने निभाया था जिनकी रियल लाइफ में भी जोड़ी बनी. हितेन और गौरी ने 20 साल पहले शादी की थी और आज भी दोनों के बीच वैसा ही प्यार बना हुआ है. 16 सितंबर 1977 को जम्मू में जन्मीं गौरी प्रधान एक मराठी फैमिली से हैं. 18 साल की उम्र में गौरी ने मॉडलिंग शुरू कर दी थी और उन्होंने एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भी पार्टिसिपेट किया जिसमें वो जीत नहीं पाईं, लेकिन उन्हें टीवी पर विज्ञापन मिलने लगे थे. उन्हीं विज्ञापनों के बीच हितेन तेजवानी से गौरी की मुलाकात हुई थी, जिनके साथ वो रिलेशनशिप में आईं और शादी कर ली. गौरी एक गंभीर लड़की थीं जबकि हितेन काफी चुलबुले, तो कैसे ये कपल एक हुआ, एक साबुन के विज्ञापन पर गौरी और हितेन की पहली मुलाकात हुई थी. जब ये विज्ञापन सामने आया तो इसपर एकता कपूर की नजर पड़ी जो उस समय अपने सीरियल कुटुंब के लिए लीड जोड़ी ढूंढ रही थीं. लगभग 6 महीने के बाद एकता कपूर ने अपने ऑफिस में हितेन और गौरी को बुलाया, जहां वो दोनों एक बार फिर मिले. एकता कपूर ने उन्हें कुटुंब सीरियल ऑफर किया जिसे उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया और ये 2001 में ऑनएयर हुआ. शूटिंग के दौरान गौरी जब फ्री होती थीं तो किनारे बैठकर किताब पढ़ा करती थीं जबकि हितेन दूसरे लोगों के साथ हंसी मजाक करते थे.

विदेश में भी बजा कंतारा चैप्टर 1 का डंका

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कंतारा चैप्टर 1 ने देश दुनिया में धूम मचा दी है। फिल्म के कहानी ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। दुनिया भर से तारीफें बटोरने के बाद ऋषभ शेट्टी की फिल्म कंतारा अब नए मोड पर है। जी हां, फिल्म को लेकर इंटरनेशनल ऑडियंस की डिमांड बढ़ती जा रही है। बता दें कि फिल्म अब इंटरनेशनल लेवल पर धमाल मचा दी है। फिल्म कंतारा ने न सिर्फ भारतीय प्रवासियों पर अपनी छाप छोड़ी, बल्कि उन देशों के फिल्म लवर्स के साथ भी गहराई से जुड़ी

जिनके सांस्कृतिक संबंध भारत से मिलते जुलते हैं। मेक्सिको, कोलंबिया, अर्जेंटीना, चिली, वेनेजुएला और दूसरे देशों के दर्शक 2022 में रिलीज हुई इस फिल्म की सांस्कृतिक थीम से बहुत ज़्यादा जुड़ पाए। इन देशों के गैर-प्रवासी दर्शकों के एक बड़े वर्ग ने भी 'कंतारा' को अपनाया और इसके मजबूर फैंस बन गए। इसके अलावा, दुनिया भर में शानदार सिनेमा की तारीफ करने वाले कई देशों में, 2022 की इस फिल्म को इसकी अनोखी कहानी के लिए बहुत प्यार मिला है।

अब इसी मांग को देखते हुए, फिल्म मेकर ने इसे स्पेनिश और अंग्रेजी में डब करके दुनिया भर के कई देशों में रिलीज करने का फैसला किया है। इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने 'कंतारा: चैप्टर 1' के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।

खुशियों से गूंज उठा चिरंजीवी का परिवार

फिल्म इंडस्ट्री के एक और बड़े खानदान में किलकारियां गूंजी हैं और वंश बढ़ाने वाली अलगी पीढ़ी का स्वागत बहुत ही जोरों-शोरों से हो रहा है। सुपरस्टार चिरंजीवी-पवन कल्याण के भतीजे वरुण तेज ने पापा बनने की गुड न्यूज़ सोशल मीडिया पर शेयर कर अपने फैंस का दिन बना दिया है। टॉलीवुड के पावर कपल वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी ने बेटे का स्वागत किया है। कपल ने मई 2025 में प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। इसके बाद अब सीधे उन्होंने बेटे के जन्म की गुड न्यूज़ कंपलीट फैमिली फोटो के साथ दी है। वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी ने ज्वाइंट पोस्ट शेयर किया है। तस्वीर में लावण्या ने अपने बेटे को बाहों में थामा हुआ है और ममता से उसे देख रही हैं। वहीं वरुण तेज ने दोनों ने अपनी बाहों के घेरे में

लिया और लावण्या का माथा चूम रहे हैं। वरुण और लावण्या के ये गुड न्यूज़ शेयर करते ही फैंस से लेकर तमाम सेलेब्स उन्हें बधाईयां दे रहे हैं।'

इसके साथ ही अब हर किसी को उनके बेटे के फेस रिवील और नाम का भी काफी बेसब्री से इंतजार है। दिलचस्प बात ये है कि वरुण और लावण्या का बेटा इस पीढ़ी का पहला बेटा है। इससे पहले इस पीढ़ी में बेटियों ने ही जन्म लिया है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अल्लू-कोनिडेला परिवार का बोलबाला है। इस खानदान के ज्यादातर सदस्य एक्टिंग की दुनिया में अपना कब्जा जमाए बैठे हैं। इनमें चिरंजीवी, पवन कल्याण से लेकर राम चरण और अल्लू अर्जुन तक शामिल हैं। नागेंद्र बाबू भी इसका हिस्सा हैं और वरुण तेज उन्हीं के बेटे हैं।

दिशा की बहन खुशबू पाटनी ने बनाया सेल्फ डिफेंस हथियार

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन खुशबू सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. पूर्व आर्मी ऑफिसर रहीं खुशबू अक्सर अपने सोशल मीडिया पर कुछ खास पाठ और जरूरी पाठ पढ़ाती रहती हैं. हाल ही ने उन्होंने घर में रखे सिर्फ 2 चीजों से ऐसा हथियार तैयार किया है, जो दुश्मनों को कड़ी टक्कर देगा. खुशबू ने इस हथियार को बनाने का पूरा वीडियो भी शेयर किया है. अपने सोशल हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए खुशबू ने इस हथियार को बनाने का पूरा तरीका शेयर किया है. उन्होंने डाटा केबिल और लोहे के बोल्ट की मदद से सेल्फ डिफेंस सिखाया. वीडियो में खुशबू खुद को कैसे सेफ रखना चाहिए इसपर बात कर रही हैं. उन्होंने वीडियो में कहा, 'मैं इस वीडियो के जरिए आपको बता रही हूं कि घर पर सेल्फ डिफेंस उपकरण कैसे बनाया जा सकता है। सबसे पहले आप सोच रहे होंगे कि हमें इसकी क्या जरूरत है? तो आज के इस युग में, कलयुग में कब जाने क्या हो जाए किसी को कुछ पता नहीं. आप पब्लिक फिगर में हैं या नहीं, इससे कोई लेना-देना नहीं है। अपने पास कुछ न कुछ सेल्फ डिफेंस के लिए रखिए. आपके पास लाइसेंस है तो बेस्ट है. अगर आपके पास लाइसेंस नहीं है तो यह उपाय आजमा सकते हैं'. पूरी वीडियो देखेंगे तो खुशबू केबिल और बोल्ट का यूज करके एक सेल्फ डिफेंस हथियार बनाती हैं.

काजोल ने किया सरप्राइज नाम का खुलासा

बॉलीवुड की दो बेबाक और बिंदास एक्ट्रेस काजोल और ट्विंकल खन्ना जल्द ही एक नए अवतार में दर्शकों के सामने आ रही हैं. दोनों अपना चैट शो लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल. हाल ही में इस शो के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में जब उनसे सबसे पसंदीदा मेहमान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सलमान खान और आमिर खान जैसे बड़े नामों को पीछे छोड़ते हुए एक ऐसे स्टार का नाम लिया, जिसने सबको हैरान कर दिया.ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब काजोल से शो के मेहमानों के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने पहले मजाकिया अंदाज़ में कहा कि उनके दो सबसे पसंदीदा मेहमान सलमान और आमिर खान हैं. लेकिन फिर उन्होंने अपनी बात को सही करते हुए बताया कि उनके हिसाब से शो के सबसे एंटरटेनिंग गेस्ट कोई और नहीं, बल्कि गोविंदा थे. काजोल ने गोविंदा की तारीफ करते हुए कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मेरे सबसे पसंदीदा मेहमान गोविंदा थे. वो बहुत मजेदार हैं और कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता.

कास्टिंग काउच पर बोलीं आम्रपाली

2018 में मीटू कैंपेन चला था, जिसमें कई फिल्मी सितारों ने कास्टिंग काउच पर अपना-अपना अनुभव शेयर किया था. उसके बाद ये नाम अक्सर सुनने को मिला और भोजपुरी सिनेमा में भी कई एक्ट्रेसेस इसपर बात कर चुकी हैं. जब भोजपुरी की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल आम्रपाली दुबे से पूछा गया कि क्या असल में ऐसा भोजपुरी इंडस्ट्री में होता है तो इसपर उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी.आम्रपाली दुबे से कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में पूछा गया था कि भोजपुरी में कास्टिंग काउच होता है, ये कितना सच है? आम्रपाली दुबे ने इसपर कहा, असल में मैं आपको बताती हूं क्या, जिसके साथ ये होता है वो ये कहता है कि उसके साथ ऐसा हुआ या वो लोग इसके बारे में अच्छे से बता पाते हैं, जो उनके साथ हो रहा है. मेरी दिक्कत हमेशा से ये रही है कि मैं मुंह पर जवाब देने वाली रही हूं और ऐसे किसी ने मुझसे बात ही नहीं की इसलिए मेरे साथ कभी ये नहीं हुआ. आम्रपाली दुबे ने आगे कहा, मैं सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की नहीं बल्कि हर जगह की बात कर रही हूं, जहां महिलाओं को लगता है कि वो सेफ नहीं हैं. लीगल एक्शन लिया जाएगा, कोई उन्हें बचाने आएगा या कुछ भी होगा तो वो बाद में होगा, पहले उसी जगह किसी की गलत बात या हरकत का जवाब देना आना चाहिए. मैं इंडस्ट्री में इतने साल से हूं, लेकिन किसी ने मेरे सामने ऐसी कोई डिमांड रखी ही नहीं, क्योंकि वो जानते हैं, मैं उन्हें तुरंत जवाब दूंगी और ऐसा ही हर महिला को होना जरूरी है.

स्मृति मंधाना बनीं वर्ल्ड की नंबर वन बल्लेबाज

नैट सिवर को पछाड़ा

नई दिल्ली.

आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत से ठीक पहले भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना ने आईसीसी की ताज़ा महिला वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ मंधाना ने इंग्लैंड की स्टार ऑलराउंडर नैट सिवर-ब्रंट को पीछे छोड़ते हुए नया मुकाम हासिल किया है। आईसीसी द्वारा जारी लेटेस्ट रैंकिंग में मंधाना के अब 763 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जबकि नैट सिवर के खाते में 759 पॉइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में मंधाना ने शानदार 58 रन बनाए थे, जिसकी वजह से उन्हें 7 अंकों का फायदा मिला और वह टॉप पर पहुंच गईं। हालांकि इस ताज़ा रैंकिंग में हैरानी की बात यह रही कि मंधाना को छोड़कर कोई भी भारतीय महिला बल्लेबाज टॉप-10 में जगह नहीं बना सकी। यह भारत के मिडिल ऑर्डर की चिंता को भी उजागर करता है, जिसे आगामी वर्ल्ड कप में मजबूती की दरकार होगी। इंग्लैंड की नैट सिवर-ब्रंट, जो लंबे समय से नंबर 1 की कुर्सी पर बनी हुई थीं, अब दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं।

हालांकि उन्होंने हाल ही में कोई खराब प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन मंधाना की निरंतरता और प्रभावी बल्लेबाज़ी ने उन्हें पीछे छोड़ दिया।

2019 में पहली बार बनी थीं वर्ल्ड नंबर वन : ये कोई पहली बार नहीं जब स्मृति मंधाना वर्ल्ड नंबर वन बनीं हैं. वनडे क्रिकेट में उन्होंने पहली बार इस उपलब्धि को साल 2019 में हासिल किया था. अगले कुछ दिनों में महिला वनडे वर्ल्ड कप का बिगुल बजने वाला है, उससे पहले रैंकिंग में आया ये उछाल ना सिर्फ उनके मनोबल को बढ़ाने का काम करेगा. अब मंधाना का जब मनोबल हाई होगा तो जाहिर उससे टीम के तो हौसले बुलंद रहेंगे ही. आईसीसी की वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना के अलावा कोई और बल्लेबाज टॉप 10 में भले ना हो. लेकिन, कुछ हैं, जिनकी रैंकिंग में उछाल देखने को जरूर मिला है. स्मृति मंधाना की ओपनिंग पार्टनर प्रतीका रावल की रैंकिंग में 4 अंक का उछाल है. जबकि हरलीन देओल की वनडे रैंकिंग में 5 स्थान का उछाल है और वो प्रतीका रावल से एक स्थान पीछे 43वें नंबर पर हैं.

गेंदबाजों और ऑलराउंडर की रैंकिंग में दीप्ति ऊपर : आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत की दीप्ति शर्मा टॉप 10 में इकलौती हैं. उन्हें 3 स्थान का हालांकि नुकसान हुआ है, फिर भी वो 7वें स्थान पर हैं. हालांकि, ऑलराउंडर की रैंकिंग में दीप्ति शर्मा ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है.

एशिया कप के बीच टीम इंडिया को मिला नया जर्सी स्पॉन्सर

अपोलो टायर ने ड्रीम 11 की जगह ली, 2027 तक का करार

नई दिल्ली.

एशिया कप के रोमांच के बीच बड़ी खबर आ रही है, जिसके मुताबिक टीम इंडिया को उसकी जर्सी का नया स्पॉन्सर मिल गया है. अपोलो टायर ने इस रेस में बाजी मारी है, जो कि अब टीम इंडिया की जर्सी पर ड्रीम 11 की जगह लेगा. अपोलो टायर से टीम इंडिया का करार 2027 तक के लिए हुआ है. इस दौरान भारत को लगभग 130 मैच खेलने हैं.

एक मैच के अपोलो टायर देगी इतने पैसे : अब सवाल ये है कि ये करार कितने का है? रिपोर्ट के मुताबिक अपोलो टायर एक मैच के लिए तकरीबन 4.5 करोड़ रुपये देगा, जो कि पिछली डील की रकम से 50 लाख रुपये ज्यादा है. ड्रीम 11 का करार एक मैच के लिए 4 करोड़ रुपये का था. रिपोर्ट के मुताबिक टीम इंडिया का जर्सी स्पॉन्सर बनने की रेस में कैनवा और जेके टायर भी थे. लेकिन, अपोलो टायर ने उन दोनों को पीछे छोड़कर डील अपने नाम की है. इन सबके अलावा बिरला ऑप्टस पेन्टस ने भी स्पॉन्सर बनने की इच्छा दिखाई थी. मगर वो बोली लगाने नहीं उतरे.

16 सितंबर को लगी स्पॉन्सरशिप के लिए बोली : टीम इंडिया का स्पॉन्सर बनने के लिए बोली 16 सितंबर को लगाई गई थी, जबकि बीसीसीआई ने बोली के लिए 2 सितंबर को मांगा था.

बीसीसीआई ने अपनी उस प्रेस रिलीज में साफ कर दिया था कि गेमिंग, बेटिंग, क्रिप्टो और टोबैको से जुड़ी कंपनियां स्पॉन्सरशिप के लिए आवेदन नहीं कर सकती. इन सबके अलावा बैंकिंग, फाइनेंशियल कंपनी, स्पोर्ट्स वियर बनाने वाली कंपनियों को भी बीसीसीआई ने स्पॉन्सरशिप की बोली से दूर रखा था.

कब से टीम इंडिया की जर्सी पर दिखेगी अपोलो : टीम इंडिया फिलहाल एशिया कप 2025 में खेल रही है, जो कि यूएई के दो शहरों अबू धाबी और दुबई में खेला जा रहा है. भारतीय टीम इस मल्टी नेशन टूर्नामेंट में बिना जर्सी के साथ खेल रही है. अपोलो टायर ने जरूर भारत की नई जर्सी स्पॉन्सरशिप हासिल की है.

क्रिकेट में उभर रहा है नया 'सिक्सर किंग'

'गुरु युवराज, चेला अभिषेक'

नई दिल्ली. एक समय था जब भारत के लिए बाएं हाथ का एक बल्लेबाज मैदान में उतरते ही छक्कों की बारिश कर देता था। उनका नाम था युवराज सिंह – भारतीय क्रिकेट के 'सिक्सर किंग'। अब उन्हीं की छाया में तैयार हुआ है एक नया सितारा, जो उसी अंदाज़ में गेंदबाजों की नींद उड़ाने लगा है-अभिषेक शर्मा। आज अभिषेक का नाम क्रिकेट की दुनिया में तेजी से फैल रहा है। उनके बल्ले से निकली आंधी में दुनिया भर के गेंदबाज उड़ने लगे हैं। लेकिन इस 'तूफान' के पीछे जो हाथ है, वो है उनके गुरु युवराज सिंह का। भारतीय क्रिकेट में जब भी युवराज सिंह का नाम लिया जाता है, तो आंखों के सामने 6 गेंदों पर 6 छक्कों की वो पारी घूम जाती है जो उन्होंने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में खेली थी। वहीं युवराज, जिन्होंने भारत को 2011 का वर्ल्ड कप जिताने में निर्णायक भूमिका निभाई। इन्हीं युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी को निखारा, उन्हें दिशा दी और वो तकनीक सिखाई जो अब उन्हें एक विस्फोटक बल्लेबाज बना रही है।

गुरु की राह चला चेला : अभिषेक शर्मा सिक्सर किंग बन गए हैं, वो भी अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की पहली 18 पारियों में ही. इस दौरान बाएं हाथ के विस्फोटक भारतीय ओपनर ने जितने छक्के मारे हैं, उनसे आगे उस कतार में कोई और नहीं है. ऐसे में उन्हें सिक्सर किंग कहा जाए तो गलत नहीं होगा. तो बताइए किया है ना चेले ने अपने गुरु यानी कि युवराज सिंह के जैसा काम.

18 पारियों में बन गए सिक्सर किंग : अब सवाल है कि अभिषेक शर्मा ने अपने टी20I की पहली 18 पारियों में कितने छक्के लगाए हैं? टी20 इंटरनेशनल में पहली 18 पारियों के बाद अभिषेक शर्मा ने कुल 46 छक्के जड़े हैं. इस मामले में वो वेस्टइंडीज के एविन लुईस के साथ संयुक्त तौर पर नंबर वन हैं. लुईस के भी 18 टी20I पारियों के बाद 46 छक्के ही हैं.

कमाल की बात ये है कि अभिषेक शर्मा अगर नंबर वन हैं तो उनके गुरु यानी युवराज सिंह भी ज्यादा पीछे नहीं रहे हैं. युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल की 18 पारियों में 38 छक्के लगाए हैं और वो लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. वहीं अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई 45 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं.टी20I की पहली 18 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप 5 बल्लेबाजों की लिस्ट में क्रिस गेल और केएल राहुल संयुक्त तौर पर 5वें स्थान पर हैं. दोनों के 34 छक्के हैं. वहीं इनसे 1 छक्के ज्यादा मारकर अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज़ लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं.

हरियाणा स्टीलर्स ने गुजरात जायंट्स को 40-37 से हराकर तीसरी जीत दर्ज की

नई दिल्ली.

प्रो कबड्डी लीग 2025 के 33वें मुकाबले में मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में गुजरात जायंट्स को 40-37 से हरा दिया. इस रोमांचक मैच में हरियाणा ने पांच सुपर टैकल की बदौलत शानदार वापसी की और अपनी तीसरी जीत दर्ज की. दूसरी ओर, गुजरात को छह मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा. हरियाणा की जीत में शिवम पटारे (12 अंक), कप्तान जयदीप (6 अंक) और राहुल सेतपाल (3 अंक) ने अहम भूमिका निभाई.

हरियाणा स्टीलर्स की दमदार वापसी : मैच की शुरुआत में हरियाणा मुश्किल में दिखी. पहले 10 मिनट में वे 1-4 और फिर 4-6 से पीछे थे. एक समय उनकी टीम केवल दो खिलाड़ियों तक सिमट गई थी, और सुपर टैकल की स्थिति बन चुकी थी. लेकिन हरियाणा ने हार नहीं मानी. तीन सुपर टैकल की मदद से उन्होंने न केवल वापसी की, बल्कि 11-8 की बढ़त हासिल कर ली. हाफटाइम तक हरियाणा 25-20 से आगे थी. दूसरे हाफ में राकेश ने सुपर-10 पूरा किया और फिर गुजरात ने आखिरी पांच मिनट में वापसी की कोशिश की और स्कोर को 29-32 तक ला दिया. राकेश की अगुवाई में गुजरात ने दूसरी बार हरियाणा को आलआउट कर स्कोर 33-33 पर बराबर कर लिया. आखिरी पलों में दोनों टीमें बराबरी पर थीं. श्रीधर ने गुजरात के लिए मल्टीपॉइंट रेड से स्कोर 36-38 किया, लेकिन शिवम ने डू-ऑर-डाई रेड में नितिन को आउट कर हरियाणा को दो अंकों की बढ़त दिलाई. आखिरी रेड में एक अंक के साथ हरियाणा ने 40-37 से जीत पक्की कर ली.

बेंगलुरू बुल्स ने भी मारी बाजी

दिन के दूसरे मुकाबले में बेंगलुरू बुल्स ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में तेलुगू टाइटंस को 34-32 से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की. आखिरी 22 सेकंड में गणेश हनमंत गोल ने शानदार तीन अंकों की रेड के साथ बुल्स को रोमांचक जीत दिलाई, जबकि टाइटंस एक अंक से आगे चल रहे थे.

यह तेलुगू टाइटंस की सात मैचों में चौथी हार रही. मैच में बुल्स के लिए अलिरेजा मीरजैन (11 अंक) और गणेश (7 अंक) चमके, जबकि टाइटंस की ओर से भरत ने 13 अंकों के साथ सुपर-10 हासिल किया. अलिरेजा की शानदार रेडिंग ने बुल्स को पूरे मैच में मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन गणेश की आखिरी रेड ने जीत का ताज पहनाया.

उदिता बनीं महिला एशिया कप 2025 की 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट'

नई दिल्ली.

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता को महिला एशिया कप 2025 में टीम के सिल्वर मेडल जीतने के बाद प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। फाइनल में टीम इंडिया को रविवार को मेजबान चीन के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। टीम की नियमित ड्रैग-फ्लिकर दीपिका चोट के कारण बाहर होने के बावजूद, उदिता ने पूरे टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने टीम के पेनल्टी कॉर्नर संभाले और तीन गोल शानदार ढंग से किए, साथ ही अपनी डिफेंसिव जिम्मेदारियां भी पूरी कीं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट सम्मान मिलने पर उदिता ने कहा, "यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। इस पहचान का महत्व इसलिए भी है क्योंकि मैंने इस साल यूरोप में प्रो लीग मैच मिस किए थे और इतने महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में मजबूत वापसी करना हमेशा मेरा लक्ष्य था। मैं अपनी टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ की आभारी हूँ जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और हर कदम पर मेरा साथ दिया।" भारत ने फाइनल में चीन के खिलाफ पहले ही मिनट में नवनित कौर के पेनल्टी कॉर्नर गोल के जरिए बढ़त बनाई, लेकिन दूसरे क्वार्टर में चीन ने जवाबी गोल किया। दूसरे हाफ में चीन ने पूरी पकड़ बनाई और तीन और गोल किए। उदिता ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, "हमने टीम के रूप में बहुत अच्छा हॉकी खेला और मुश्किल मैचों में मजबूत दिखाया। कोरिया और जापान के खिलाफ हमारी जीत ने आत्मविश्वास बढ़ाया। हालांकि फाइनल हमारा नहीं रहा, लेकिन यह सिल्वर मेडल हमारे लिए आगे बढ़ने का कदम है और हमें बड़े चैलेंज के लिए प्रेरित करता है।" उन्होंने अपना व्यक्तिगत पुरस्कार पूरी टीम की मेहनत को समर्पित किया। "व्यक्तिगत पुरस्कार खास होते हैं, लेकिन यह सम्मान पूरी टीम के प्रयास को दर्शाता है। हर खिलाड़ी ने योगदान दिया, और मुझे ऐसे मेहनती समूह का हिस्सा बनकर गर्व है। हम इस अनुभव से सीखेंगे तथा आगे और मजबूत होकर लौटेंगे।" टीम इंडिया पूल स्टेज में बिना कोई हार के आगे बढ़ी और तीन मैचों में सात अंक हासिल किए। थाईलैंड और सिंगापुर को 11-0 और 12-0 से हराया, जबकि जापान के साथ मैच 2-2 से ड्रॉ हुआ। सुपर4 में सलिमा टेटे की कप्तानी वाली टीम ने कोरिया को 4-2 हराया और चीन से 1-4 हारी। जापान के खिलाफ तीसरा मैच 1-1 से ड्रॉ रहा और टीम ने फाइनल में जगह बनाई।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर देश भर में जश्न

जानिए उनका पसंदीदा खेल कौन-सा है, मन की बात में किया था खुलासा, 'मिट्टी से जुड़े खेल' हैं प्रधानमंत्री की पहली पसंद

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर 2025 को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस खास मौके पर देश भर में उत्साह का माहौल है। राजनीति से लेकर विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था और खेल — हर क्षेत्र में उन्होंने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का प्रयास किया है। खासकर खेलों के क्षेत्र में पीएम मोदी की सोच और योगदान ने भारत की खेल पहचान को सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहने दिया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि क्रिकेट, बैडमिंटन या टेनिस नहीं, बल्कि पीएम मोदी का पसंदीदा खेल कौन-सा है?

'मन की बात' में किया था खुलासा: मिट्टी से जुड़े खेल पीएम मोदी की पसंद : साल 2023 की एक 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने खुद इस सवाल का जवाब दिया था। एक एथलीट के पूछे सवाल पर उन्होंने न सिर्फ अपनी पसंद साझा की, बल्कि भारत के पारंपरिक और लोक-आधारित खेलों को बढ़ावा देने की बात भी दोहराई। 'हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी और खो-खो जैसे खेल मिट्टी से जुड़े हुए हैं। ये भारत की आत्मा से निकलते हैं और हमारी संस्कृति के प्रतिनिधि हैं। हमें इन खेलों में भी उतना ही आगे बढ़ना चाहिए, जितना कि दूसरे ग्लोबल खेलों में।' इस बयान से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता मिट्टी से जुड़े पारंपरिक भारतीय खेल हैं। वो इन्हें सिर्फ खेल नहीं, बल्कि संस्कृति और स्वाभिमान का प्रतीक मानते हैं। पीएम मोदी ने सिर्फ बातें नहीं की, बल्कि जमीनी स्तर पर खेलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने का कार्य भी किया है। उन्होंने कई बार खिलाड़ियों से सीधे संवाद किया, उनकी जीत पर फोन कर बधाई दी, हार पर भी संभालने का संदेश दिया, और बड़े टूर्नामेंट्स के बाद खिलाड़ियों के साथ गेट-टुगेदर आयोजित किए।

उनकी प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

'खेलो इंडिया' मिशन की शुरुआत — ग्रामीण और स्कूली स्तर पर प्रतिभा को तराशने के लिए।

ओलंपिक मिशन सेल की स्थापना अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए टारगेटेड फंडिंग और ट्रेनिंग। स्पोर्ट्स बजट में कई गुना वृद्धि, जिससे खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिली।

टॉप्स (टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम) के जरिए खिलाड़ियों को आर्थिक और तकनीकी सहयोग।

खेलों में दिखने लगा है बदलाव

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों का असर अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी दिखने लगा है। ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू, पीवी सिंधु, रवि दहिया, जैसे खिलाड़ी अब हर घर का नाम बन चुके हैं। यह परिवर्तन सिर्फ क्रिकेट की चमक से बाहर निकलकर भारत के समग्र खेल विकास की गवाही देता है — एक ऐसा भारत, जो अब हर क्षेत्र में जीतना चाहता है।

नरेंद्र मोदी- एक नेता, एक प्रेरक, एक समर्थक : प्रधानमंत्री मोदी को सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि उनके भीतर की खेल भावना, खिलाड़ियों के लिए सम्मान, और भारत को खेल महाशक्ति बनाने का सपना भी उनके व्यक्तित्व का अहम हिस्सा है। उनके 75वें जन्मदिन पर देश उन्हें सिर्फ एक प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक के रूप में भी देख रहा है, जिसने हर भारतीय को 'सबका प्रयास' से विजयी भारत की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

पाकिस्तान की आईसीसी से टकराव की रणनीति पड़ी उल्टी?

नई दिल्ली.

एशिया कप 2025 में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने ही जाल में फंसता नजर आ रहा है. भारत के खिलाफ मैच में हाथ न मिलाने को लेकर हुए विवाद के बाद पाकिस्तानी बोर्ड ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी. इसके साथ ही मांग न माने जाने पर पीसीबी ने कथित तौर पर बॉयकॉट की धमकी भी दी थी. मगर सवाल ये है कि क्या पाकिस्तानी टीम सही में एशिया कप से अपना नाम वापस लेगी? अगर उसने ऐसा किया तो उसे करीब 141 करोड़ रुपये की चपत लग सकती है. दुबई में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के मैच में टॉस के दौरान और मुकाबला खत्म होने के बाद दोनों टीम के कप्तान और खिलाड़ियों ने आपस में हाथ नहीं मिलाए. इस पर पाकिस्तानी टीम ने पहले तो मैच रेफरी पायक्रॉफ्ट से टीम इंडिया की शिकायत की. फिर अगले दिन पाकिस्तानी बोर्ड ने पायक्रॉफ्ट की ही शिकायत सीधे आईसीसी से कर दी. पाकिस्तान का आरोप था कि पायक्रॉफ्ट ने टॉस से पहले दोनों कप्तानों से हाथ न मिलाने को कहा था, जो आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत खेल भावना का उल्लंघन था.

टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगी पाकिस्तान : रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने आईसीसी को भेजी अपनी शिकायत में पायक्रॉफ्ट को उसके मुकाबलों से हटाने की मांग की थी और ऐसा न होने पर मैच के बहिष्कार की धमकी दी थी. मंगलवार 16 सितंबर को आईसीसी ने उसकी ये मांग खारिज कर दी और रेफरी को हटाने से इनकार कर दिया. इससे ये सवाल खड़ा हो गया है कि आईसीसी में हार मिलने के बाद क्या पीसीबी मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर टिकी रहेगी? ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान का अगला मैच यूएई से है और पायक्रॉफ्ट ही इसमें रेफरी हैं. पाकिस्तान अगर इस मैच को जीतेगा तो वो सुपर-4 स्टेज में पहुंचेगा और अगर उसे हार मिलती है तो टूर्नामेंट से पत्ता साफ हो जाएगा.

पीसीबी के हाथ से निकल जाएंगे 141 करोड़ : मगर टूर्नामेंट से हारने पर बाहर होना और बिना खेले ही बहिष्कार कर बाहर होने में फर्क है और ये फर्क पीसीबी की कमाई पर पड़ सकता है. पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एशियन क्रिकेट काउंसिल (पीसीबी) की ब्रॉडकास्ट डील के तहत इस एशिया कप से पाकिस्तान को 12 से 16 मिलियन डॉलर यानि लगभग 141 करोड़ रुपये तक की कमाई हो सकती है. मगर टूर्नामेंट से बीच में ही नाम वापस लेने की स्थिति में उसके हाथ से ये कमाई छिन सकती है.रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर पाकिस्तानी बोर्ड ऐसा फैसला करता है तो एसीसी के अन्य सदस्य उसे पूरा हिस्सा दिये जाने का विरोध कर सकते हैं क्योंकि पाकिस्तानी टीम टूर्नामेंट में अपने पूरे मैच नहीं खेलेगी. इतना ही नहीं, टूर्नामेंट का ब्रॉडकास्टर ऐसी स्थिति में एसीसी को तय डील के तहत पूरा पैसा देने से इनकार कर सकता है क्योंकि पाकिस्तानी टीम के मैच न होने से ब्रॉडकास्टर की कमाई पर असर पड़ेगा.

याद रहे कि एसीसी के अध्यक्ष इस वक्त पीसीबी के चीफ और पाकिस्तान सरकार के मंत्री मोहसिन नकवी ही हैं. ऐसे में उनके रहते हुए एसीसी और पीसीबी की कमाई पर असर पड़ना उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है.

विराट और रोहित पहले से टायर ब्रांड्स से जुड़े

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट टीम को नया जर्सी स्पॉन्सर मिल गया है. मशहूर कंपनी अपोलो टायर्स ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ ढाई साल की स्पॉन्सरशिप डील की है, जिसके लिए वो 579 करोड़ रुपये चुकाएगी. ये पहली बार है जब कोई टायर कंपनी सीधे भारतीय टीम से जुड़ी है लेकिन भारत के दिग्गज क्रिकेटरों से उनका नाता रहा है. इस मामले में सबसे पुरानी और सबसे आगे देश की सबसे बड़ी टायर कंपनी एमआरएफ है, जो पिछले कई साल से स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की बैट स्पॉन्सर है. कोहली 2013 से ही एमआरएफ का हिस्सा हैं और 2017 में उन्होंने 8 साल के लिए 100 करोड़ में डील की थी. यानि हर साल 12.5 करोड़ एमआरएफ से कोहली को मिलते हैं. एमआरएफ के बाद जिस टायर कंपनी ने भारतीय सितारों को स्पॉन्सर करना शुरू किया, वो है सीएट. सबसे पहले सीएट ने टीम इंडिया के हिटमैन रोहित शर्मा के साथ डील की थी और लगभग पिछले 8-9 साल से वो जारी है. मौजूदा डील के तहत रोहित को सीएट की ओर से हर साल 4 करोड़ रुपये मिलते हैं.

कोहली के बाद एमआरएफ ने 2025 में ही टीम इंडिया के मौजूदा स्टार और नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के साथ स्पॉन्सरशिप डील की. इस डील के तहत बैट पर एमआरएफ का स्टिकर लगाने के लिए गिल को कंपनी से हर साल 8-10 करोड़ रुपये मिलेंगे. गिल इससे पहले दूसरी टायर कंपनी सीएट का हिस्सा थे. रोहित के अलावा मौजूदा वक्त में सीएट का नाम स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के बैट पर भी दिखता है. उनकी ये डील 2019 में शुरू हुई थी और अभी भी जारी है. हालांकि, उन्हें इस स्पॉन्सरशिप के तहत कितना पैसा मिलता है, ये फिलहाल साफ नहीं है.

बंगाल में एसआईआर की तैयारी शुरू

> ममता का विरोध जारी!

कोलकाता.

बिहार में वोटर लिस्ट के कराए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अब पश्चिम बंगाल में इसको कराने की तैयारी चुनाव आयोग ने कर ली है.

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार इस प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं और दावा करती रही हैं कि जानबूझकर लोगों के वोट काटे जा रहे हैं. इस बीच एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि आयोग एसआईआर के लिए चुनाव अधिकारियों को मंगलवार यानी आज से ट्रेनिंग दे सकता है. दरअसल, बंगाल

में अगले साल चुनाव करवाए जाएंगे, उससे पहले ही वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने के लिए आयोग कदम उठा रहा है.

अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा, 'बंगाल के सीईओ मनोज अग्रवाल, अतिरिक्त सीईओ दिव्येंदु दास और अरिंदम नियोगी के साथ मंगलवार के ट्रेनिंग सत्र का नेतृत्व करेंगे. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ट्रेनिंग पाने वाले बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को वोटर लिस्ट एसएआर प्रक्रिया को सुचारू और सटीक ढंग से

जिला स्तर पर वोटर मैपिंग होगी शुरू

उन्होंने कहा, 'डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश भारती इस सप्ताह के आखिरी में कोलकाता का दौरा करेंगे और तैयारियों की समीक्षा करेंगे. साथ ही संशोधन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे.' इस बीच सोमवार को एडीएम के साथ एक बैठक में अधिकारियों को जिला स्तर पर वोटर मैपिंग गतिविधियां शुरू करने के लिए कहा गया. एक प्रमुख निर्देश 2002 की वोटर लिस्ट की तुलना जनवरी 2025 में प्रकाशित नई वोटर लिस्ट से की जाएगी.

पूरा करने के लिए मार्गदर्शन देने को पूरी तरह से सक्षम हों.'

अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में राज्य भर के सहायक जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को ट्रेनिंग दी जाएगी. उन्होंने कहा, 'ये अधिकारी फिर बीएलओ को ट्रेनिंग देंगे, जो जमीनी स्तर पर वोटर्स तक सीधे पहुंचेंगे. एडीएम और ईआरओ की ट्रेनिंग पूरा होने के बाद बीएलओ को एसआईआर अभियान के दौरान जरूरी फॉर्म भरने में वोटर्स की सहायता करने के बारे में डिटेल में निर्देश दिए जाएंगे.

बीएलओ घरों में जाकर विवरणों की पुष्टि करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उचित दस्तावेज मौजूद हैं. यह एसआईआर से पहले की तैयारी का हिस्सा है.

नकलची सरकार को उखाड़ फेंकिए!

> जहानाबाद में गरजे तेजस्वी!

पटना.

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार अधिकार यात्रा के दौरान जहानाबाद के गांधी मैदान पहुंचे. इस दौरान उन्होंने हजारों की भीड़ को संबोधित किया. तेजस्वी यादव ने कहा कि यह यात्रा बेरोजगार युवाओं का अधिकार यात्रा है. आने वाले समय में वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकना है. उन्होंने कहा कि आप लोग मिलकर हमारी सरकार बनाएंगे तो हमारी सरकार भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त सरकार बनेगी.

तेजस्वी ने आगे कहा कि कोई भी अगर गड़बड़ी करेगा तो तेजस्वी यादव उसे छोड़ेंगे नहीं, सजा दिलाएंगे. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप लोग मेरे स्वभाव को जानते हैं. हम अनुशासन

कहां से लाएगा पैसा अपने बाप के यहां से पैसा लाकर लोगों को वेतन देगा. तेजस्वी की बिहार अधिकार यात्रा 16 से 20 सितंबर तक कई जिलों को कवर करेगी. नया बिहार बनाने के संकल्प के साथ तेजस्वी यादव ने मंगलवार से बिहार अधिकार यात्रा की शुरुआत की है. इस यात्रा का मकसद बिहार में उद्योग-धंधे स्थापित करने, नए अवसर प्रदान करने, स्थायी नौकरी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, चहुमुखी विकास और रोजगार सुनिश्चित करना है. बता इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत की थी.

में विश्वास रखने वाले हैं. चाहे कोई भी जाती या धर्म के लोग हो या अपराधी प्रवृत्ति के लोग, उसे सजा दिलाने का काम करेंगे. वर्तमान में बिहार में नकलची सरकार है. हम जो कहते हैं, उसी की यह सरकार नकल करती है.

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आएगी माय बहीन योजना के तहत 2500 रुपया महीना महिलाओं को दिया जाएगा. साथ ही उन्होंने कहा कि 2020 में इसी गांधी मैदान में हमने युवाओं को नौकरी देने की बात कही थी तो हमारे चाचा ने कहा था कि

एससी से याचिकाओं में अंतरिम राहत

> सूफी काउंसिल की प्रतिक्रिया

जयपुर.

वक्फ अमेंडमेंट एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लेकर ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के अध्यक्ष सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आज एक बात तो स्पष्ट दी है कि पूरे एक्ट को स्टे करने का कोई आधार नहीं है. उन्होंने उम्मीद जताते हुए ये भी कहा कि वक्फ को लेकर पिछले 50 सालों से जो भ्रष्टाचार किया जा रहा था, वो दूर किया जाएगा और विकास के लिए इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाएगा. उन्होंने इस एक्ट को लेकर केंद्र सरकार की भी तारीफ की.

वक्फ संशोधन एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा, ''काफी दिनों से इसका इंतजार था, आज वक्फ संशोधन एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिकाओं में अंतरिम राहत दी है. सरकार की मंशा बिल्कुल साफ थी, मोदी जी के नेतृत्व

में जबसे भारत सरकार का गठन हुआ है, उन्होंने हमेशा कुछ न कुछ अच्छा करने के प्रयास किए हैं.

उन्होंने आगे कहा, ''जो एक पुरानी परंपराएं चली आ रहीं थी या पुराने मसले जो पेंडिंग थे, जिसको लोग हाथ लगाते हुए भी डरते थे कि अगर इसे छेड़ेंगे तो कहीं हमारे वोटों पर असर न पड़ जाए. पीएम मोदी ने बिल्कुल खुले दिल से तमाम पुरानी बुराइयों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया है और उसी के क्रम में ये वक्फ एमेंडमेंट एक्ट लाया गया था.

क्योंकि सारी दुनिया, पूरा हिंदुस्तान वक्फ के मामलों में करप्शन को जानता है. उसी को बुनियाद बनाकर वक्फ एमेंडमेंट एक्ट लाया गया था लेकिन लोगों को कुछ संशय थी कि जिसे लेकर वो सुप्रीम कोर्ट में गए थे.

नसीरुद्दीन चिश्ती ने ये भी कहा, ''सुप्रीम कोर्ट ने आज एक बात तो स्पष्ट दी है कि पूरे एक्ट को स्टे करने का कोई आधार नहीं है. जो लोग कहते थे और गुमराह कर रहे थे कि पूरा एक्ट ही खतरनाक है, इनवैलिड है, गैरकानूनी है तो वो चीजें बहुत ही स्पष्ट हो चुकी हैं.

दोनों पक्ष अंतरिम राहत से संतुष्ट नजर आए. कुछ सेक्शन हैं, जिसमें पांच साल तक इस्लाम का अनुयायी होना अनिवार्य था, उसको लेकर कोर्ट ने डायरेक्शन दिए हैं कि जब तक कोई रूल या स्कीम फ्रेम नहीं कर ली जाती है तब तक के लिए उसे स्टे रखा जाएगा.

हमास के खिलाफ बड़ा एक्शन

> इजरायली सेना का ऐलान!

तेहरान.

इजरायल ने हमास को खत्म करने के लिए अभियान का ऐलान कर दिया है। इजरायल की सेना ने मंगलवार को घोषणा की कि गाजा शहर में हमास के सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए उसका विस्तारित अभियान शुरू हो चुका है। इसके साथ ही उसने निवासियों को दक्षिण की ओर जाने की चेतावनी दी।

इजरायल के सैन्य प्रवक्ता अविचे एड्री की यह घोषणा रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'गाजा जल रहा है'। इससे इजराइल-हमास युद्ध और तेज हो गया है, क्योंकि हफ्तों की कूटनीति के बावजूद कोई भी संभावित युद्धविराम और भी दूर की कौड़ी बना हुआ है।

हालांकि, इजिप्ट ने इजरायल के खिलाफ अपनी भाषा को कठोर करते हुये मंगलवार को वर्षों में पहली बार उसे व्यापक रूप से 'दुश्मन' कहा। रुबियो ने अपनी रवानगी से पहले

इजरायल में पत्रकारों से बात करते हुए संकेत दिया कि गाजा शहर पर आक्रमण शुरू हो गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि हमें लगता है कि हमारे पास समझौते के लिए बहुत कम समय बचा है। हमारे पास अब महीने नहीं हैं, और शायद हमारे पास कुछ दिन और शायद कुछ हफ्ते ही बचे हैं, इसलिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है।

उन्होंने गाजा के लिए एक तीव्र सैन्य अभियान से उत्पन्न खतरों को स्वीकार करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता, हमारी पहली पसंद, यह है कि यह बातचीत से खत्म हो। रुबियो ने कहा कि युद्ध से भी बदतर चीज एक लंबा युद्ध है, जो हमेशा के लिए चलता रहे। किसी न किसी समय, इसे खत्म होना ही होगा। किसी न किसी समय, हमास को निष्क्रिय करना होगा और हम आशा करते हैं कि यह बातचीत के जरिए हो सके। लेकिन मुझे लगता है कि दुर्भाग्य से, समय निकलता जा रहा है।

बहाई समुदाय पर बढ़ता अत्याचार

>कतर से ईरान तक चिंता!

नई दिल्ली.

कतर और ईरान में बहाई धर्म के लोगों पर सरकार का दमन लगातार बढ़ता जा रहा है. मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि इन देशों में बहाई समुदाय के लोगों को बिना किसी ठोस कारण के गिरफ्तार किया जा रहा है, उनकी संपत्तियां जब्त की जा रही हैं और उन्हें लंबी सजा दी जा रही है. यमन, बहरीन और मिस्र में भी बहाई समुदाय के हालात ऐसे ही हैं. बहाई एक अल्पसंख्यक समुदाय है, जिसकी स्थापना 1860 के दशक में हुई थी. यह सभी धर्मों की एकता और इंसानियत में विश्वास करता है. मुस्लिम देशों में इस धर्म को संदेह की नजर से देखा जाता है, क्योंकि बहाई धर्म के लोग एक फारसी व्यक्ति को अपना पैगंबर मानते हैं, जबकि इस्लाम

में पैगंबर मोहम्मद को आखिरी और सबसे बड़े पैगंबर माना जाता है.

कतर सरकार बहाई लोगों को देश से निकाल रही है, उनके कब्रिस्तान को दोबारा बनाने नहीं दे रही और उनके शादी के प्रमाणपत्र को मान्यता नहीं दे रही. इसके अलावा बहाई नेताओं को उनके धर्म का पालन करने पर सजा दी जा रही है. एक बड़ा मामला रेमी रोहानी का है, जो कतर में बहाई समुदाय के प्रमुख हैं. 71 साल के रोहानी को सोशल मीडिया पर बहाई त्योहारों की बधाई देने और बहाई विचारों के प्रचार के लिए 5 साल जेल की सजा दी गई है. कोर्ट का कहना है कि उन्होंने इस्लाम की शिक्षाओं पर सवाल खड़े किए.

रोहानी पर यह भी आरोप है कि उन्होंने बिना इजाजत पैसे इकट्ठे कर विदेश भेजे, जबकि यह बात पहले से सरकार को मालूम थी. रोहानी की बेटी ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं, उन्होंने इस फैसले को दुखद और चौंकाने वाला बताया. संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने भी कहा है कि कतर का यह कदम धार्मिक आजादी के खिलाफ है. कतर के संविधान में पूजा की आजादी की गारंटी दी गई है. इसके बावजूद बहाई समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है.

मंडी में 10 फीट पानी

> 3 की मौत और कई लापता!

मंडी.

हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक बार फिर कुदरत ने कहर बरपाया है. भारी बारिश ने मंडी जिले के धर्मपुर बस स्टैंड पर पानी करीब 10 फीट तक भर गया, जिससे आसपास के घरों को भी नुकसान हुआ है. स्थानीय बीजेपी नेता रजत ठाकुर ने बताया कि 6 लोग लापता हैं और प्रशासन उन्हें ढूंढने में जुटा हुआ है. भारी बारिश के कारण सोन खड्ड (नाला) ओवरफ्लो होकर शहर में घुस गया, जिससे कई घरों की पहली मंजिल तक पानी भर गया. बीती रात से ही बारिश के चलते स्थानीय लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया और प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी दिखाई. मंडी जिले के धर्मपुर और सरकाघाट उपमंडलों में बारिश इतनी तेज हुई कि सोन खड्ड ने विकराल रूप धारण कर लिया. धर्मपुर बस स्टैंड में खड़ी सरकारी एचआरटीसी बसें और कई निजी वाहन पानी में बह गए. स्थानीय होस्टल में 150 बच्चों को दूसरी और तीसरी मंजिल पर जाकर सुरक्षित होना पड़ा.

डीएसपी धर्मपुर संजीव सूद ने

बताया कि पुलिस और रेस्क्यू टीमों ने रातभर राहत कार्य जारी रखा. हालांकि, अब तक किसी प्रकार के निश्चित जानी नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन कई घर, दुकानें और वाहन मलबे की चपेट में आए हैं. प्रशासन और पुलिस टीमें स्थिति का निरंतर जायजा ले रही हैं. उधर, शिमला के हिमलैंड क्षेत्र में भी भारी लैंडस्लाइड हुआ, जिससे कई वाहन मलबे के नीचे दब गए. इस वजह से सर्कुलर रोड, जो शिमला की मुख्य जीवनरेखा है, बंद हो गई और लोगों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई. शिमला के बीसीएम क्षेत्र में भी पेड़ उखड़ने और लैंडस्लाइड की वजह से कुछ गाड़ियों को नुकसान हुआ.

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों तक बारिश की तीव्रता कम होने की संभावना है, लेकिन मानसून के पूरी तरह जाने के कोई संकेत अभी नहीं हैं.

कर्नाटक में 'जाति जनगणना' पर भड़की बीजेपी

बेंगलुरु.

कर्नाटक में जातिगत जनगणना को लेकर सियासत लगातार जारी है. कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने आज मंगलवार को आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना के पीछे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार का अपना खास एजेंडा है. राज्य सरकार की कोशिश कर्नाटक में में वीरशैव-लिंगायत समुदाय को विभाजित करना है.

वीरशैव-लिंगायत समुदाय से आने वाले बीजेपी के नेताओं, जैसे पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, जगदीश शेट्टार और केंद्रीय राज्य मंत्री वी सोमन्ना सहित कई अन्य ने जाति जनगणना से पहले की रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की. राज्य का सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण (सोशल एंड एदुकतिओनल सर्वे), जिसे जाति जनगणना के नाम से भी जाना जाता है, और इसे 22 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच 420 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से आयोजित कराया जाएगा.

बीजेपी नेता विजयेंद्र ने कहा, "वीरशैव-लिंगायत समुदाय से जुड़े

कई सीनियर नेताओं ने आज मंगलवार को बैठक की और इस दौरान राज्य सरकार की ओर से कराए जाने वाले जाति जनगणना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. सबसे पहले, राज्य सरकार के पास जाति जनगणना करने का कोई अधिकार नहीं है और ना ही ऐसा कोई कानूनी प्रावधान है, लेकिन सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के नाम पर सिद्धारमैया सरकार ऐसा करने की कोशिश कर रही है. राजधानी बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया सरकार का एजेंडा हिंदू धर्म और वीरशैव-लिंगायत समुदाय को विभाजित करना है. उन्होंने आगे कहा, "यह पहली बार नहीं है, उन्होंने पहले भी ऐसा करने की कोशिश की है. हम सभी लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की अगुवाई में मुलाकात की और हमने देश, राज्य और वीरशैव-लिंगायत समुदाय के हित में फैसला लिया कि हमें और अधिक स्पष्टता के साथ आगे बढ़ना होगा. हमें एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा, साथ ही पूरे समुदाय को उचित दिशा भी देनी होगी

अस्पताल में चूहों का कहर

> मरीजों के कुतरे पैर!

भोपाल.

मध्य प्रदेश के जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चूहों का आतंक देखने को मिल रहा है. यहां मरीज और अटेंडर चूहों का शिकार हो गए. मानसिक रोग विभाग के रेनोवेशन के चलते मरीजों को ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट में शिफ्ट किया गया, जहां रात के समय दो महिलाओं और एक अटेंडर के पैरों को चूहों ने कुतर डाला. जब लोगों ने शिकायत की तो डॉक्टरों ने इंजेक्शन लगाने की सलाह दी. मरीजों के परिजन का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अस्पताल प्रशासन उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहा है. अब डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने घटना को निंदनीय बताते हुए पेस्ट कंट्रोल एजेंसी की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की बात कही. इससे पहले इंदौर के एम.वाय. अस्पताल में भी मरीजों को चूहों के काटने की घटना सामने आई थी. जबलपुर संभाग के सबसे बड़े मेडिकल अस्पताल में मरीजों को चूहे कुतर रहे हैं. मरीजों का कहना है कि रात के समय वार्ड में चूहों की भरमार

रहती है. कई बार शिकायत करने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई. नरसिंहपुर के श्रीनगर के रहने बाले जगदीश मेहरा ने बताया कि उन्होंने मां को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती किया था. रात में मां के पैरों को चूहों ने काट लिया. इसी तरह यशोदा बाई ने बताया कि शिशु वार्ड में भी चूहों थे. उन्होंने ये भी बताया कि सिर्फ एक कूलर के सहारे पूरा वार्ड चल रहा है. वहीं राधा नाम की एक महिला ने बताया कि उनके पैर में भी चूहों ने काटा.

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने इस घटना को बेहद निंदनीय बताया. उन्होंने कहा कि मानसिक रोग विभाग के रेनोवेशन के चलते मरीजों को अस्थायी रूप से ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट में रखा गया था।, जहां रैट किलर दवाइयों का इस्तेमाल मुमकिन नहीं था. इसलिए वहां ट्रैप प्लेट लगाने की व्यवस्था की गई थी. उन्होंने पेस्ट कंट्रोल एजेंसी की जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है.

टेक्सास में भारतीय की हत्या के बाद ट्रंप प्रशासन सख्त

वाशिंगटन.

अमेरिका के डलास में भारतीय मूल के एक होटल प्रबंधक की हत्या के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं. अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने हमलावर को अवैध अप्रवासी बताया और इसके लिए पहले की बाइडेन सरकार की नीतियों को दोषी ठहराया. इस बीच अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और डीएचएस सचिव क्रिस्टी नोएम अब बर्बर अपराधियों को अमेरिका में और रहने की अनुमित नहीं देंगे. डीएचएस ने टेकोलुका जेल का जिक्र करते हुए कहा कि यदि आप हमारे देश में अवैध रूप से आते हैं तो आप एस्वातिनी, युगांडा, दक्षिण सूडान या सीईसीओटी में पहुंच सकते हैं. अमेरिका में 50 वर्षीय भारतीय चंद्र नागमल्लैया की क्यूबा के एक अवैध अप्रवासी ने गला काटकर हत्या कर दी. उसका पहले से भी क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है. आरोपी को राक्षस बताते हुए डीएचएस ने कहा, "चंद्र नागमल्लैया का सिर उनकी पत्नी और बच्चे के सामने काट दिया और मृतक के सिर को जमीन पर पटक दिया. इस अपराधी को क्यूबा ने लेने से मना कर दिया तो बाइडेन प्रशासन ने अमेरिका में एंट्री दे दी. अगर पहले की सरकार ऐसा नहीं की होती तो आज यह हत्या नहीं हुई होती.डीएचएस ने आगे कहा कि यही कारण है कि एजेंसी आपराधिक अवैध विदेशियों को तीसरे देशों में भेज रही है. डोनाल्ड ट्रंप ने नागमल्लैया को एक सम्मानित व्यक्ति बताते हुए आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की बात कही है. उन्होंने कहा, "टेक्सास प्रांत में 10 सितंबर को डाउनटाउन सुइट्स होटल में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद 50 वर्षीय भारतीय मूल के होटल प्रबंधक का उसकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर दिया गया था. आपराधिक इतिहास वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया था.

काश सारे केस इतने जल्दी निपटते!

नई दिल्ली.

> वनतारा केस पर कांग्रेस का तंज

वनतारा वन्यजीव अभयारण्य के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका के निपटारे को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय की ओर से गठित एसआईटी द्वारा वनतारा प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को क्लीनचिट दिए जाने को लेकर कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा कि काश 'सीलबंद लिफाफा' वाली व्यवस्था के बिना इतनी तेजी से सभी मामलों का निस्तारण कर लिया जाता। वनतारा से जुड़े मामलों की जांच कर रहे उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने गुजरात के जामनगर स्थित इस प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को 'क्लीन चिट' दे दी है।इस रिपोर्ट को लेकर बेंच ने सोमवार को कहा था कि जानकारी मिली है कि वनतारा में जानवरों को रखने के लिए सभी नियमों का पालन किया गया।

वहां लाए गए जानवरों के कानून के अनुसार ही खरीदा गया और उनका रखरखाव चल रहा है। ऐसे में किसी भी

बचाव और पुनर्वास केंद्र, वनतारा के मामलों की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराए जाने का आदेश दिया। चार प्रतिष्ठित सदस्यों वाली एसआईटी को 12 सितंबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था।'उन्होंने कहा, 'एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट 'सीलबंद लिफाफे' में पेश की। 15 सितंबर, 2025 को उच्चतम न्यायालय ने इसकी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया और 7 अगस्त, 2025 को दायर एक जनहित याचिका द्वारा शुरू किए गए मामले को बंद कर दिया।' रमेश ने कटाक्ष किया कि काश सभी मामलों को रहस्यमय 'सीलबंद लिफाफा' वाली व्यवस्था के बिना इतनी तेजी से और स्पष्ट रूप से निपटा दिया जाता।

तरह का सवाल उठाना ठीक नहीं है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि अधिकारियों ने वनतारा में अनुपालन और नियामक उपायों को लेकर संतोष व्यक्त किया है। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जब वह तय कर ले तो भारतीय न्यायिक प्रणाली सबसे तेज गति से चलती है, जबकि देरी उसकी पहचान बन गई है।'

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, '25 अगस्त, 2025 को उच्चतम न्यायालय ने जामनगर में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा स्थापित वन्यजीव

मंदिरों की संपत्ति का दुरुपयोग नहीं चलेगा

>सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं के जरिए मंदिरों को दी की गई राशि का इस्तेमाल शादी हॉल जैसी व्यावसायिक सुविधाओं के निर्माण के लिए नहीं किया जा सकता.

एससी ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें तमिलनाडु सरकार द्वारा मंदिर के पैसों से शादी हॉल बनाने की योजना को रद्द कर दिया गया था. दरअसल तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 27 मंदिरों में विवाह हॉल बनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसके लिए करीब 80 करोड़ रुपए की मंदिर निधि का उपयोग किया जाना था. सरकार का तर्क था कि यह योजना हिंदू समाज

को किफायती विवाह स्थल उपलब्ध कराने के लिए है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ होगा.

हालांकि इस योजना के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच में एक याचिका दायर की गई, जिसमें कहा गया कि मंदिर निधियों का इस्तेमाल सिर्फ धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए.

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि इस तरह का निर्माण हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त अधिनियम, 1959 की धाराओं 35, 36 और 66 का उल्लंघन करता है.

19 नवंबर को होगी सुनवाई

सीनियर वकील मुकुल रोहतगी और अन्य वकील याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे. बेंच ने कहा कि मुद्दा यह है कि सरकार का निर्णय सही था या गलत. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती पर सुनवाई के लिए सहमति जताई और 19 नवंबर की तारीख तय की. बेंच ने कहा कि 'हम इस मामले पर सुनवाई करेंगे. हम याचिकाकर्ताओं को कोई स्थगन आदेश नहीं दे रहे हैं'.

हाई कोर्ट ने 19 अगस्त को अपने फैसले में कहा था कि मंदिरों की निधि का इस्तेमाल विवाह हॉल जैसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता क्योंकि यह धार्मिक उद्देश्य की परिभाषा में नहीं आता. इस निर्णय को तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी.

बेंच ने कहा कि श्रद्धालु मंदिरों को जो धन देते हैं, वह धार्मिक आस्था से प्रेरित होता है. वो यह पैसा विवाह हॉल जैसे निर्माण के लिए नहीं देते. कोर्ट ने आगे यह सवाल भी उठाया कि यदि मंदिर परिसर में विवाह समारोह आयोजित किया गया और अश्लील गाने बजाए गए, तो क्या यह मंदिर की भूमि का सही इस्तेमाल होगा?'.

सुप्रीम कोर्ट ने इसके बजाय सुझाव दिया कि इस धन का उपयोग शिक्षा जैसे धर्मार्थ कार्यों और चिकित्सा संस्थानों के लिए किया जाना चाहिए.